RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:52 ता. 14 अगस्त 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में पंद्रह अगस्त की तैयारी, लाल किले में फुल ड्रेस रिहर्सल, जमीन से आसमान तक अभूतपूर्व सुरक्षा

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 15 अगस्त को राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस मनाने की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। लाल किले पर आज सशस्त्र बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल चल रही है। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में जमीन से आसमान तक अभूतपूर्व सुरक्षा का बंदोबस्त किया गया है। लाल किला और राजघाट के साथ राजधानी के चप्पे-चप्पे पर दिल्ली पुलिस नजर रख रही है। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो ने स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं अगले महीने प्रस्तावित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के मद्देनजर प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पिछले कुछ हफ्तों के दौरान सुरक्षा अभ्यास किया है। दोनों कार्यक्रमों के मद्देनजर केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया तंत्र के साये में निर्मित की जा रही समग्र सुरक्षा ग्रिड के हिस्से के रूप में विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से लिए गए लगभग 500 कमांडो, स्नाइपर्स और वीआईपी सुरक्षा कर्मियों की एक टुकड़ी को दिल्ली में तैनात किया गया है। एनएसजी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने आधिकारिक हैंडल पर यह सूचना साझा की है। इसमें कहा गया है- प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के लिए अन्य हितधारकों को शामिल कर कई तरह आकस्मिकताओं को लेकर पूर्वाभ्यास किया गया।

दिल्ली पुलिस ने रविवार तड़के से कड़े सुरक्षा इंतजाम के साथ गश्त और वाहनों की जांच तेज कर दी है। यहां तक कि डीटीसी की बसों के रूट तक डायवर्ट किए गए। उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को नागरिकों से 13 से 15 अगस्त तक %हर घर तिरंगा% आंदोलन में हिस्सा लेने का आग्रह कर चुके हैं। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करेंगे। इस गरिमामय समारोह में पूरे देश से लगभग 1800 विशेष अतिथि शामिल होंगे।

लालकिले पर पीएम मोदी का भाषण सुनेंगे अमेरिकी सांसद, स्वतंत्रता संग्राम से है यह नाता

- इस बार 15 अगस्त के मौके पर लालकिले के सामने पीएम मोदी का भाषण सुनने के लिए अमेरिकी सांसद भी मौजूद रहेंगे। अमेरिकी सांसदों का एक द्विदलीय समूह भारत की यात्रा करने वाला है।

नई दिल्ली। अमेरिकी सांसदों का एक द्विदलीय समूह भारत की यात्रा करने वाला है और ये सांसद 15 अगस्त को लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के गवाह बनेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना एवं सांसद माइकल वाल्ट्ज सांसदों के इस द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। दोनों सांसद भारत और भारतीय अमेरिकी पर द्विदलीय कांग्रेशनल कॉकस के सह अध्यक्ष हैं।

लालकिले पर सुनेंगे पीएम मोदी का भाषण

सांसद लाल किला भी जाएंगे जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि अमेरिकी सांसद मुंबई, हैदराबार और नयी दिल्ली में कारोबार, प्रौद्योगिकी, सरकार और हिंदी फिल्म उद्योग की शख्सियतों से मुलाकात करेंगे। वे नयी दिल्ली में महात्मा गांधी को समर्पित ऐतिहासिक स्थल राजघाट भी जाएंगे।

खन्ना और वाल्ट्ज के साथ सांसद डेबोरा रॉस, कैट कैममैक, श्री थानेदार और जैस्मीन क्रॉकेट के साथ रिच मैककॉर्मिक और एड केस भी शामिल होंगे। सांसद खन्ना के लिए यह पूरी तरह से ऐतिहासिक यात्रा होने वाली है। सोमवार को जारी बयान में कहा गया है, खन्ना के दादा अमरनाथ विद्याअलंकार एक स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने महात्मा गांधी के साथ जेल में चार साल बिताए और बाद में वह भारत की पहली संसद का हिस्सा बने।

खन्ना ने कहा, भारत और भारतीय अमेरिकीयों पर कांग्रेशनल कॉकस के सहअध्यक्ष के तौर पर हमें गर्व है कि हम भारत के लिए द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले हैं। हम वहां इस बात पर चर्चा करेंगे कि सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र रहे दोनों देशों के बीच आर्थिक

और रक्षा संबंधों को कैसे मजबूत किया जाए।

वहीं, भारतीय-अमेरिकी सांसद श्री थानेदार के नेतृत्व में अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने भारत के स्वतंत्रता दिवस को दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रिक देशों के राष्ट्रीय उत्सव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में यह विश्वास व्यक्त किया गया है कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित अमेरिका और भारत के बीच मजबूत साझेदारी वैश्विक लोकतंत्र को आगे बढ़ाती रहेगी और सभी देशों के लिए शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देगी। प्रस्ताव में भारत के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के राष्ट्रीय उत्सव दिवस के रूप में घोषित करने की मांग की गई है। प्रस्ताव को सांसद थानेदार ने पेश किया जिसका सांसद बडी कार्टर और ब्रैड शरमन ने समर्थन किया।

महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में होगा मुफ्त इलाज, शिंदे सरकार का ऐलान

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी कर 15 अगस्त से राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने की बात कही है। अस्पताल मरीजों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेंगे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने 3 अगस्त को इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि सभी सरकारी अस्पतालों में इलाज मुफ्त किया जाएगा और इसका खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। स्वास्थ्य के अधिकार (अनुच्छेद 21) के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों, महिला अस्पतालों, जिला सामान्य अस्पतालों, उपजिला अस्पताल, सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों और कैंसर अस्पतालों में इलाज मुफ्त होगा। सावंत ने कहा था कि मुफ्त इलाज का यह फैसला कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। आदेश के मुताबिक, नासिक और अमरावती में कैंसर अस्पताल भी

मुफ्त इलाज की सुविधा देंगे। ये मुफ्त सुविधाएं राज्य सरकार के अधीन संचालित कुल 2,418 अस्पतालों और चिकित्सा केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। यह योजना 2.5 करोड़ से अधिक लोगों को इन चिकित्सा सुविधाओं में मुफ्त उपचार का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। आपको यह भी बता दें कि यह योजना चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत किसी भी अस्पताल या मेडिकल कॉलेज पर लागू नहीं होती है। 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान महाराष्ट्र ने राज्य के लोगों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा की थी। ऐसा करने पर महाराष्ट्र मुफ्त बीमा सुरक्षा प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया। सभी नागरिकों को राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (एमजेपीजेएवाई) के तहत संरक्षित किया जाएगा। योजना के लिए आवेदन करने के लिए नागरिकों के पास अपना राशन कार्ड और निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए।

मुसलमानों के प्रवेश पर रोक को लेकर सख्ती

हरियाणा की ग्राम पंचायतों को किया कारण बताओ नोटिस जारी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने उन ग्राम पंचायतों और सरपंचों को कारण बताओ नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है, जिन्होंने 31 जुलाई को नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद अपने गांवों में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए प्रस्ताव पारित किया है या पत्र लिखे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि कई ग्राम पंचायतों और सरपंचों को उनके संबंधित जिला अधिकारियों द्वारा हरियाणा ग्राम पंचायती राज अधिनियम की धारा 51 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, जो एक सरपंच या पंच को निलंबित करने और हटाने से संबंधित है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, रेवाड़ी के उपायुक्त मो. इमरान रजा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया, हमने ग्राम पंचायतों, उनके सरपंचों आदि के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की है और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। वे ग्राम

पंचायतें और सरपंच अपने जवाब भेजेंगे, जिसकी जांच की जाएगी। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेवाड़ी जिले में ऐसी कुछ ग्राम पंचायतों और सरपंचों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की अपुष्ट खबरों पर इमरान रजा ने कहा, जहां तक मामले में एफआईआर दर्ज करने या कानूनी कार्रवाई करने की बात है, तो पुलिस अधीक्षक ही बता पाएंगे।

हालांकि, रेवाड़ी के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कहा कि बेहतर होगा कि आप इस संबंध में डिप्टी कमिश्नर से बात करें, क्योंकि यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। पुलिस महानिदेशक पी.के. अग्रवाल टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। हालांकि, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने का प्रयास करने वाले या इसमें शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ जो भी उचित कार्रवाई होगी, की जाएगी। 10 अगस्त को नूंह सांप्रदायिक हिंसा की स्पष्ट प्रतिक्रिया में रेवाड़ी, झज्जर और महेंद्रगढ़ जिलों में कई ग्राम पंचायतों द्वारा इस तरह के प्रस्ताव पारित करने की बात सामने आई थी। उस पर विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली ने कहा था, मुझे इस मुद्दे की जानकारी है।

नेलांग घाटी का बैली ब्रिज चोरगाड़ नदी में समाया

आईटीबीपी का संपर्क अंतरराष्ट्रीय सीमा से कटा

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की नेलांग घाटी में जाड़ गंगा की सहायक नदी चोरगाड़ पर बने बैली ब्रिज का पिलर ढहने से आईटीबीपी के जवानों का हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाले मार्ग सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा से संपर्क कट गया है। यह वाकया दो-तीन दिन पहले का बताया गया है। दरअसल पिलर ढहने से यह समूचा ब्रिज नदी में समा गया है। सामरिक दृष्टि से यह ब्रिज भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नेलांग घाटी भारत-चीन सीमा पर है। गंगोत्री नेशनल पार्क के उप निदेशक रंगनाथ पांडेय का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में अपनी पूरी रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी है। ब्रिज निर्माण के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी गई है। चोरगाड़ नदी पर बने इस बैली ब्रिज का उपयोग आमतौर पर सेना, आईटीबीपी के जवान और भेड़ पालक करते हैं। यह ब्रिज हिमाचल प्रदेश सहित अंतरराष्ट्रीय सीमा

को जोड़ता है। पिलर ढहने के कारण ब्रिज टूट गया है। उन्होंने कहा कि यह ब्रिज सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ब्रिज के ढहने से सेना और आईटीबीपी के जवानों को रेकी करने में दिक्कत होगी। बताया जा रहा है कि इस संबंध में जिला प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग भटवाड़ी को ब्रिज निर्माण में आने वाली लागत का आकलन तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

अब अपराधी की संपत्ति से पीड़ित को मिलेगा न्याय, नए कानूनों में नए प्रावधान

नई दिल्ली। आईपीसी और सीआरपीसी कानूनों में बदलाव के बाद पीड़ित को न्याय दिलाने के सिद्धांत पर ज्यादा ध्यान होगा। नए प्रस्तावित कानून के तहत कई धाराओं में बदलाव करके यह प्रावधान किया गया है, जिससे अपराधी की जब्त संपत्ति से पीड़ित को न्याय के रूप में मुआवजा मिल सके। एक अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित बदलावों में करीब 200 धाराओं में अलग-अलग तरीके से न्याय के बुनियादी सिद्धांत का ख्याल रखा गया कि दंड के बजाय न्याय पर फोकस हो। गृहमंत्री अमित शाह ने बदलाव को प्रस्तावित करते हुए कहा था कि न्याय की भारतीय अवधारणा पाश्चात्य दृष्टिकोण से पूरी तरह अलग है। भारतीय न्याय व्यवस्था में केंद्रबिंदु पीड़ित को न्याय दिलाना है। वहीं, दंड की व्यवस्था इसलिए है, जिससे इसे देखकर दूसरा कोई

अपराध करने का दुस्साहस न करे।

कुर्की-जब्ती के संबंध में नई धारा

अधिकारी ने बताया कि अपराध की आय से जुड़ी संपत्ति की कुर्की-जब्ती के संबंध में एक नई धारा जोड़ी गई है। जांच करने वाला पुलिस अधिकारी यह संज्ञान लेने के लिए अदालत में आवेदन कर सकता है कि संपत्ति आपराधिक गतिविधियों के जरिये हासिल की गई है। इस प्रकार की संपत्ति को अदालत द्वारा जब्त किया जा सकता है और पीड़ितों को इसके माध्यम से मुआवजा दिया जा सकता है।

न्याय की राह में बाधा

अधिकारी ने कहा, आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जटिल प्रक्रियाओं के कारण अदालतों में भारी संख्या में मामले लंबित हैं। इससे न्याय मिलने में अत्यधिक देरी, गरीबों और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का न्याय से वंचित होना, सजा की कम दर, जेलों में भीड़-भाड़ और बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी जैसी समस्या न्याय की राह में बाधा बनी हुई है।

33 फीसदी बोझ कम होगा

नए प्रस्तावित कानून में छोटे-मोटे केस मसलन 20 हजार तक संपत्ति अपराध से जुड़े मामले को संक्षिप्त ट्रायल से निपटा दिया जाएगा। इसे मजिस्ट्रेट के अलावा पुलिस अधिकारी भी कुछ मामलों में कर सकते हैं। ऐसे मामलों में अपराध स्वीकार किया जुर्माना दिया और मामला खत्म। अधिकारी ने कहा कम गंभीर मामले जैसे चोरी, चोरी की गई संपत्ति प्राप्त करना या रखना, घर में अनधिकृत प्रवेश, शांति भंग करने, आपराधिक धमकी जैसे मामलों में संक्षिप्त ट्रायल को अनिवार्य बनाया गया है। इसके अलावा, तीन वर्ष से कम की सजा के मामलों में मजिस्ट्रेट संक्षिप्त ट्रायल कर सकता है। इससे करीब 33 फीसदी मामले कोर्ट के बाहर निपट जाएंगे। अधिकारी ने कहा, यह व्यवस्था भी दंड के बजाय न्याय की अवधारणा से प्रेरित है।

इस स्वतंत्रता दिवस पर बेहद अलग नजर आएगा लालकिला, सजावट में बड़े बदलाव

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इस बार आपको लालकिला कुछ अलग नजर आएगा। हर बार इसे फूलों से सजाया जाता है लेकिन इस बार कम से कम सजावट की जाएगी। आम तौर पर हम देखते हैं कि लालकिले के एक हिस्से को रंग-बिरंगे फूलों से ढक दिया जाता है। लेकिन इस बार ऐतिहासिक इमारत को मूल रूप में ही रखने का फैसला किया गया है। कार्यक्रम के दौरान भी प्राचीर नजर आती रहेगी। इसके अलावा लालकिले के अंदर के गार्डेन, परेड एरिया और ज्ञानपथ को सजाया जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों का कहना है कि इस बार ज्यादा फूलों, बड़ी फ्लैग शीट्स को प्राचीर पर नहीं लगाया जाएगा। उन्हं कहा गया है कि प्राचीर को ज्यादा सजावट से ना ढकें। इसे खुला रहने दें। केवल कुछ जगहों पर जी-20 का लोगा लगाया जाएगा।

कौन होंगे इस बार स्पेशल गेस्ट?

कोरोना के नियमों में अब छूट के बाद अधिकारियों को उम्मीद है कि कोरोना काल के पहले से भी ज्यादा लोग इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए पहुंचने वाले हैं। इसके अलावा लगभग 2900 लोगों को स्पेशल गेस्ट के तौर पर आमंत्रित किया गया है। इनकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी दिल्ली पुलिस और आईटीबीपी को सौंपी गई है। इन गेस्ट में सेंट्रल

विस्टा प्रोजेक्ट और नई संसद भवन केमजदूर, 622 वाइब्रेंट विलेज प्रोजेक्ट के तहत आने वाले सरपंच, पीएम किसान योजना के लाभार्थी, नर्स, मछुआरे, खादी वर्कर, सीमावर्ती सड़कों पर काम करने वाले मजदूर और अन्य शामिल हैं।

अधिकारी के मुताबिक, ये स्पेशल गेस्ट सिविल ऑफिसर्स के सेक्शन के पास बैठेंगे। इसके अलावा सभी राज्यों से पारंपरिक परिधानों में 80 से 90 कपल यहां बैठेंगे। वे परेड या फिर किसी परफॉर्मेंस का हिस्सा नहीं होंगे लेकिन उन्हें ब्लीचर्स में बैठाया जाएगा। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि यहां पर लगभग 26484 लोगों के बैठने का इंतजाम होता है लेकिन इस बार संभव है कि 30 हजार से 40 हजार लोग पहुंचचें। पुलिस के मुताबिक प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति समेत अन्य सम्मानित वीवीआईपी प्राचीर पर बैठेंगे। इसके अलावा ज्यादातर लोगों के बैठने की व्यवस्था प्राचीर से दक्षिण की ओर 15 अगस्त पार्क में किया गया है।

प्राचीर के उत्तर की तरफ वीआईपी गेस्ट बैठेंगे। पुलिस ने कहा कि लालकिले के आसपास की सुरक्षा के लिए 7 हजार जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 16 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैमरा लगाए गए हैं।

गूगल ने श्रीदेवी की 60वीं जन्मतिथि पर बनवाया खूबसूरत डूडल

नई दिल्ली । हिंदी सिनेमा की सुपरस्टार श्रीदेवी की जन्मतिथि पर गूगल ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए एक खास डूडल बनवाया है। बता दें कि अभिनय में महारथ हासिल करने वाली श्रीदेवी का आज 60वां जन्मदिन है। एक ओरे जहां एक्ट्रेस के बर्थडे पर उनके चाहने वाले उन्हें याद कर रहे हैं। वहीं गूगल ने भी श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। श्रीदेवी ने अपने अभिनय का परचम सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लहराया। आज भले ही वह इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन फैंस के दिलों में वह हमेशा जिंदा रहेंगी। बॉलीवुड की चांदनी की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर गूगल ने डूडल के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। गूगल ने अपने होमपेज पर मुंबई बेस्ड गेस्ट आर्टिस्ट भूमिका मुखर्जी के द्वारा श्रीदेवी का एक खूबसूरत चित्रण बनाकर उन्हें याद किया है। श्रीदेवी ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बेस्ट एक्ट्रेस के रूप में कई अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकीं श्रीदेवी को साल 2013 में पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु में जन्मीं श्रीदेवी का असली नाम अम्मा यंगर अय्यपन था, लेकिन उन्हें श्रीदेवी नाम से ही पहचाना जाता है। चार साल की उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखने वाली श्रीदेवी ने अपने करियर में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उन्होंने चांदनी, लम्हे, मिस्टर इंडिया, चालबाज़, नगीना, सदमा और इंग्लिश विंग्लिश जैली फिल्मों में काम कर सदाबहार अभिनेत्रियों की लिस्ट में खुद को शुमार किया। श्रीदेवी को आखिरी बार मॉम में बतौर लीड एक्ट्रेस देखा गया था। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस ने नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किया था। वह शाह रुख खान की फिल्म जीरो में भी नजर आ चुकी हैं। साल 1996 में फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर से शादी की थी। श्रीदेवी, बोनी की दूसरी पत्नी थीं। श्रीदेवी और बोनी की दो बेटियां हैं- जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर। जाह्नवी ने इंडस्ट्री में अपने पैर जमा लिये हैं, जबकि खुशी द आर्चीज मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। श्रीदेवी ने 24 फरवरी 2018 को दुबई में अंतिम सांस ली थी।

जमकर मनेगा इस बार कश्मीर में आजादी का जश्न, इंटरनेट भी रहेगा फ्री

कश्मीर । कश्मीर में इस बार स्वतंत्रता दिवस पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। यहां की जनता इस बार खुलकर आजादी का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है। एक अधिकारी ने कहा कि इस बार इंटरनेट पर भी कोई प्रतिबंध लागू नहीं होगा। जिससे लोग देश को आजादी मिलने के दिन की खुशी दिल खोलकर सोशल मीडिया के जरिये अपने लोगों के साथ शेयर कर सकते हैं। इस मामले में कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर कश्मीर में कोई प्रतिबंध या इंटरनेट प्रतिबंध नहीं लागू होगा। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को पूरी कश्मीर घाटी में कोई प्रतिबंध नहीं होगा और इंटरनेट सेवा भी चालू रहेगी। लोग 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में बहुत रुचि दिखा रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत है। इससे पहले 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के तहत मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले की 26 पंचायतों में कई तरह की गतिविधियों को आयोजित किया गया। गांदरबल में जिला युवा सेवा और खेल कार्यालय ने जोन कंगन में एक जीवंत 'प्रभात फेरी' के साथ-साथ 'मेरी माटी, मेरा देश' की व्यापक थीम के तहत आज आकर्षक कार्यक्रमों की एक सीरिज आयोजित की। इधर जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और जम्मू के डिविजनल कमिश्नर ने इस हफ्ते की शुरुआत में स्वतंत्रता दिवस समारोह और 17 अगस्त से शुरू होने वाली बुड्ढा अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कमिश्नर जम्मू रमेश कुमार और डीआइजी राजौरी पुंछ रेंज हसीब मुगल के साथ पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ एक सुरक्षा समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर तैयारियों पर चर्चा हुई।

अधिकारी पर लगाया गर्ल्स होस्टल में घुसकर यौन उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद । एक अधिकारी पर आधी रात गर्ल्स होस्टल में घुसकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलंगाना के हकीमपेट स्पोर्ट्स स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल में कथित यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है जिसके बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है। आरोप है कि एक अधिकारी आधी रात को लड़कियों के कमरे में घुस जाता है और लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के साथ-साथ वह उनके साथ गलत व्यवहार करता है। खबर के मुताबिक, पशु चिकित्सक हरिकृष्णा को प्रतिनियुक्ति पर स्पोर्ट्स स्कूल का ओएसडी नियुक्त किया गया है। उक्त ओएसडी कथित तौर पर हॉस्टल में लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न कर रहा है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने ट्वीट करते हुए कहा वह इस घटना से बहुत आहत हैं। उन्होंने कहा कि सीएम केसीआर के नेतृत्व में काम कर रही तेलंगाना सरकार में ऐसी चीजों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस मामले में उन्होंने खेल मंत्री श्रीनिवास गौड़ से लड़कियों के यौन उत्पीड़न के आरोपी अधिकारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने, पूर्ण पैमाने पर जांच करने और पीड़ितों को न्याय देने के बात कही है। हालांकि सरकार ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी को निलंबित कर दिया और जांच के आदेश दिये। एसीपी पेटबशीरबाग के मुताबिक, घटना के संबंध में कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हम इसका सत्यापन कर रहे हैं और उसके अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी।

तेजस्वी ने पीएम पर लगाया लोकतंत्र को नष्ट कर महाराजा बनने का आरोप

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया है कि वह लोकतंत्र को नष्ट करने में जुटे हुए हैं, साथ ही वह महाराजा बन रहे हैं। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे तेजस्वी ने प्रधानमंत्री पर अपने संबोधन में तब 'सफेद झूठ बोलने का आरोप लगाया, जब उन्होंने बिहार के दरभंगा जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की बात की। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दरभंगा में एम्स का उल्लेख करना सरासर झूठ है, जिसका निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। वह मुझे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की याद दिलाते हैं, जिन्होंने सरकार की उपलब्धियों में से एक के रूप में कुछ समय पहले पूर्णिया हवाई अड्डे का जिक्र किया था, जिसका संचालन बहुत दूर है। तेजस्वी ने कहा कि तथ्य यह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एम्स, दरभंगा के लिए पहल की थी और राष्ट्रीय राजमार्ग से कुछ किलोमीटर की दूरी पर भूखंड भी आवंटित किया गया। लेकिन बाद में केंद्र ने भूखंड के स्थान को सुविधाजनक नहीं होने का दावा करके इसमें कई तरह के रोड़े अटकाए थे। राजद के नेता तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के साथ टेलीफोन पर बातचीत में केंद्र के रुख में बदलाव पर निराशा व्यक्त की थी। इस संबंध में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पत्र की एक प्रति भी साझा की। ?जिसमें मोदी ने पश्चिम बंगाल में पंचायती राज परिषद को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए एम्स, दरभंगा की बात की। उन्होंने प्रस्तावित अस्पताल का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि देश के सभी हिस्सों में प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों को चिकित्सा उपचार के लिए लंबी दूरी की यात्रा न करनी पड़े।

ब्रिटिश 25 पाउंडर की छुट्टी, लाल किले पर गूंजेगी स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन

नई दिल्ली। इस बार स्वतंत्रता दिवस पर ब्रिटिश 25 पाउंडर गन से सलामी लेने के बजाय स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन की गूंज सुनाई देगी। 15 अगस्त को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे तो पहली बार स्वदेशी तोप से 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इस बार स्वदेशी 105 एमएम इंडियन फील्ड गन राष्ट्रगान के 52 सेकेंड तक 21 राउंड फायर करेगी। पिछले साल आखिरी बार ब्रिटिश 25 पाउंडर गन ने लाल किले पर झंडारोहण के दौरान सलामी दी थी।

उग्रवादी संगठन मणिपुर में नहीं मनाएंगे स्वतंत्रता उत्सव, बंद का किया आह्वान

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में उग्रवादी संगठनों ने स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाने का निर्णय लिया है। यहां पर 17 घंटे के सामान्य बंद का भी आह्वान किया है। बता दें कि मणिपुर में जातीय हिंसा के बीच, सात उग्रवादी संगठनों के एक शीर्ष निकाय ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों के बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 15 अगस्त को 17 घंटे के सामान्य बंद का भी आह्वान किया। एक बयान में, प्रतिबंधित गैरकानूनी समूहों के शीर्ष निकाय कोरकॉम ने कहा कि 15 अक्टूबर 1949 को मणिपुर के भारत में विलय के साथ मणिपुर की राजनीतिक स्थिति में अचानक गिरावट आई, जिसके द्वारा संप्रभु मणिपुर को केवल एक मुख्य आयुक्त के प्रांत में बदल दिया गया। 1950 में भाग सी राज्य से, मणिपुर को 1956 में एक केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया था। भारतीय औपनिवेशिक शासन ने न केवल पूरे मणिपुर में कुख्यात एएफएसपीए और कई अन्य कठोर कानूनों को लागू किया, बल्कि एक विभाजनकारी नीति भी जारी रखी। जिसके परिणामस्वरूप अब अनियंत्रित जातीय संघर्ष हो गया है।

संगठन ने कहा कि अवैध मणिपुर विलय समझौते, 1949 ने मणिपुर के संप्रभु इतिहास को मिटा दिया, जिसके कारण मणिपुर के जातीय समूहों के बीच 15 अगस्त का जश्न मनाया गया। अब, समय आ गया है कि मणिपुर में प्राचीन काल से निवास करने वाले सभी जातीय समूह इस औपनिवेशिक शासन का विरोध करने के लिए मणिपुर लोगों के रूप में खड़े हों और हमारे उत्पीड़ित लोगों के आत्म-निहित अधिकार का प्रयोग करने की दिशा में वैज्ञानिक राजनीतिक विकास का मार्ग प्रशस्त करें। मणिपुर के सभी संघर्षरत और उत्पीड़ित स्वदेशी लोगों को अब भारतीय औपनिवेशिक नीति का एहसास होना चाहिए। कॉर्कॉम के तहत उग्रवादी संगठन में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी, कांगलेई यावोल कन्ना लुप, पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक, प्रीपाक-प्रो, रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट शामिल हैं।

प्रियंका को संसद में देखना चाहते हैं रॉबर्ट वाद्रा, बताया हर तरह से काबिल

नई दिल्ली । रॉबर्ट वाद्रा अपनी पत्नी प्रियंका को संसद में देखना चाहते हैं। इस पर आज उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाद्रा ने कहा कि उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाद्रा के पास संसद पहुंचने के लिए सभी योग्यताएं हैं और उन्हें वहां होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस पार्टी प्रियंका को लोकसभा में भेजने की योजना पर काम करेगी। रॉबर्ट वाद्रा ने कहा कि मुझे लगता है कि प्रियंका गांधी को संसद में होना चाहिए। उन्हें निश्चित रूप से लोकसभा में होना चाहिए। उनके पास इसके लिए सभी योग्यताएं हैं। मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी यह स्वीकार करती है और उनके लिए बेहतर योजना बनाएगी। वाद्रा ने उद्योगपति गौतम अडाणी के साथ अपना नाम जोड़ने के लिए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर निशाना साधा। गौरतलब है कि संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान स्मृति ने अडाणी के साथ रॉबर्ट वाद्रा की तस्वीर दिखाई थी। इस पर वाद्रा ने कहा कि वह राजनीति से दूर रहते हैं और इस पर तभी प्रतिक्रिया देते हैं, जब सत्तारूढ़ दल उनका नाम बीच में लाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अडाणी के विमान में बैठे हमारे अपने प्रधानमंत्री की तस्वीर है। हमें उस बारे में सवाल क्यों नहीं पूछना चाहिए और राहुल गांधी सवाल कर रहे हैं और इन सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया जाता है। वाद्रा ने कहा कि महिला पहलवान अपने अधिकारों के लिए दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन कर रही थीं, लेकिन केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के रूप में स्मृति ईरानी कभी उनसे मिलने या उनकी शिकायतें सुनने नहीं गईं। वहीं मणिपुर जल रहा है और स्मृति ईरानी को मेरे बारे में बस किसी तरह की नकारात्मक बात उठानी है।

बीएसएफ को मिली बड़ी ताकत, अब समुद्री सुरक्षा भी होगी और मजबूत

-गृह मंत्री अमित शाह ने 257 करोड़ लागत वाले 'मूरिंग प्लेस' की रखी नींव

कच्छ (एजेंसी)। बीएसएफ को बड़ी ताकत मिलने जा रही है, इससे अब समुद्री सुरक्षा भी और मजबूत होगी। राजस्थान का जैसलमेर, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात का कच्छ इलाका, हमारे देश की सीमा पर चाहे जैसी भी परिस्थितियां हों, गृह मंत्री अमित शाह की हमेशा यही रणनीति रही है कि सरहदों पर सुरक्षा हमेश मजबूत रहे। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के कच्छ में समुद्री सुरक्षा मजबूत करने का अचूक प्लान बनाया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कच्छ जिले में संवेदनशील सर क्रीक और हरामी नाला का दौरा किया और यहां 257 करोड़ रुपये की लागत वाले 'मूरिंग प्लेस' (लंगरगाह) की नींव रखी। यह मूरिंग प्लेस 400 से अधिक जलीय वाहन और पाकिस्तान के साथ तटीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल द्वारा संचालित चौकियों की फ्लोटिंग बीओपी (बॉर्डर ऑउट पोस्ट्स) की सर्विस और रखरखाव में मदद करेगा। कोटेश्वर में 60 एकड़ में फैले मूरिंग प्लेस के भूमि पूजन के बाद अमित शाह ने कहा कि एक बार यह तैयार हो जाने के बाद, बीएसएफ की समुद्री टुकड़ी द्वारा उपयोग की जाने वाली नौकाओं को सीमा क्षेत्र में आसानी से बनाए रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आपके पास 400 से अधिक पानी के जहाज हैं और यह सुविधा उन्हें अच्छी स्थिति में रखने में मदद करेगी। इस लंगरगाह में प्रशासनिक भवन, ऑफिसर्स मेस, कैंटीन, परेड ग्राउंड, प्रशिक्षण केंद्र और सर क्रीक में बीएसएफ द्वारा संचालित वॉटरक्राफ्ट और फ्लोटिंग बीओपी के लिए एक वर्कशॉप शामिल होगी। प्रत्येक फ्लोटिंग बीओपी लगभग 30 कर्मियों और कई निगरानी उपकरण ले जा सकती है। मंत्री ने यहां सर क्रीक एरिया का दौरा किया। यहां हुई पेट्रोलिंग के दौरान जवानों से भी बात हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 'अक्सर मछुआरे पाकिस्तान की तरफ से भारत में दाखिल होते हैं, उनपर हमेशा हमारी नजर रहती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ को उन क्षेत्रों में सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, जहां तापमान शून्य से 43 डिग्री नीचे से 43 डिग्री सेल्सियस तक रहता है और वे सुंदरबन और हरामी नाला से सटे क्षेत्रों को सुरक्षित रखने के लिए सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के बाद, बीएसएफ को पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। तटीय सुरक्षा देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। गुजरात के तट पर कई महत्वपूर्ण संस्थान, परमाणु स्टेशन, मिसाइल प्रक्षेपण क्षेत्र, अनुसंधान केंद्र, उद्योग और बंदरगाह स्थित हैं। उनकी 365 दिन चौबीसों घंटे सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है।

फिल्म का ऑफर देकर अमित जानी फंसे, सपा नेता के बाद मनसे ने भी दी चेतावनी

-सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर फिल्म कराची टू नोएडा बनाने की है योजना

नोएडा (एजेंसी)। फिल्मकार सचिन जानी सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर फिल्म बनाने का ऑफर देकर बुरी तरह से फंस गए हैं। पहले सपा नेता ने उन्हें धमकी दी थी, अब मनसे ने भी उन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए फिल्म न बनाने की सलाह दी है। बता दें कि पाकिस्तान से आई सीमा हैदर पर फिल्म बनाने को लेकर एक बार फिर बवाल मच गया है। गौरतलब है कि मेरठ के रहने वाले अमित जानी ने सीमा हैदर और सचिन की लवस्टोरी पर कराची टू नोएडा टाइटल से फिल्म बनाने की घोषणा की है। इसी के साथ उन्होंने सीमा को एक फिल्म के लिए ऑफर भी दिया है। लेकिन तभी से अमित जानी को लगातार धमकियां और चेतावनियां मिल रही हैं। पहले सपा के पूर्व प्रवक्ता अभिषेक सोम ने अमित को धमकी दी थी। अब राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी अमित जानी को चेतावनी दी है। मनसे नेता अमय खोपकर ने ट्वीट कर कहा कि हम अपने इस रुख पर कायम हैं कि किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय फिल्म उद्योग में कोई जगह नहीं मिलनी चाहिए। सीमा हैदर एक पाकिस्तानी महिला है जो इस समय भारत में है। ऐसी भी खबरें थीं कि वह आईएसआई एजेंट है।

मनसे ने सार्वजनिक चेतावनी दी है कि ऐसे तमाशे तुरंत बंद करें। अन्यथा मनसे की धड़क कार्रवाई के लिए तैयार रहें। अगर नहीं सुनेंगे तो राडा तो होगा ही। बता दें कि हाल ही में जानी फायरफॉक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अमित जानी को सपा के पूर्व प्रवक्ता अभिषेक सोम ने भी धमकी दी थी। अमित जानी ने सीमा हैदर को फिल्म में लेने पर अभिषेक सोम पर धमकी देने का आरोप लगाया था। इसकी शिकायत पुलिस से ट्वीट कर की थी। इसके बाद अभिषेक सोम ने भी नोएडा कमिश्नर को एक शिकायत पत्र अमित जानी के खिलाफ भेजा था। जिसके बाद समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता ठाकुर अभिषेक सोम ने सीमा हैदर और अमित जानी को पाकिस्तान जाने की सलाह देते हुए उनके लिए फ्लाइट बुक करवा दी। इसकी जानकारी अभिषेक सोम ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

वहीं अमित जानी ने अभिषेक सोम के इस बयान को हास्यास्पद बताया। अमित जानी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां ही पाकिस्तानी हैं। यह समाजवादी पार्टी नहीं, नमाजवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि वह शिवपाल यादव की वजह से समाजवादी पार्टी में रहे हैं। बता दें, अमित जानी ने घोषणा की है कि वह सीमा हैदर और सचिन की लव स्टोरी पर फिल्म बनाएंगे, जिसका नाम कराची टू नोएडा होगा। इसी के साथ सीमा को उदयपुर में हुए दर्जी कन्हैयालाल हत्याकांड पर बन रही फिल्म के लिए भी अमित ने सीमा को रॉ एजेंट का रोल ऑफर किया है। उन्होंने भारत से पाकिस्तान गई अंजू को लेकर भी फिल्म मेरा अब्दुल ऐसा नहीं है बनाने की घोषणा की है।

हर घर तिरंगा लहराने की थीम, पीएम मोदी ने लोगों से की डीपी बदलने की अपील

नई दिल्ली । हर घर तिरंगा लहराने की थीम पर चलते हुए पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट की डीपी बदल ली है। उन्होंने सभी देश वासियों से भी अपनी डीपी बदलने की अपील की है। गौरतलब है कि इस समय पूरे देश में 15 अगस्त की तैयारी धूमधाम से चल रही है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा की अपील देशवासियों से की है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि हर घर तिरंगा आंदोलन की भावना में आइए हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट की डीपी बदलें और इस अनूठे प्रयास को समर्थन दें जो हमारे प्यारे देश और हमारे बीच के बंधन को गहरा करेगा।

संस्कृति मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत डाकघरों में बिक्री के लिए लगभग 2.5 करोड़ राष्ट्रीय ध्वज भेजे गए हैं। जनभागीदारी बढ़ने के साथ यह अभियान 'जन आंदोलन' बन गया है। केंद्रीय संस्कृति सचिव गोविंद मोहन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस अभियान को लेकर अभी देश में काफी उत्साह है, जिसे पिछले साल पहली बार शुरू होने पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

आजादी के जश्न में खलल डालने वालों की खैर नहीं, सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां इस समय पूरी तरह से सतर्क हैं, आजादी के जश्न में किसी तरह की खलल डालने वालों की खैर नहीं होगी, क्योंकि सुरक्षा के सभी इंतजाम पुख्ता कर लिए गए हैं। इसके लिए खुफिया एजेंसियों ने बैठक कर संभावित खतरों से निपटने के सभी इंतजाम कर लिए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार कुछ तत्व देश की आजादी के जश्न में खलल डालने की साजिश रचने में लगे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान कुकी या मैतेई समूहों की ओर से विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी के तिरंगा फहराने और राष्ट्र को संबोधित करने के दौरान कुछ सरकार विरोधी तत्व झंडे और तख्तियां लहराने के साथ ही नारे भी लगाने की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में नई दिल्ली जिले में खुफिया एजेंसियों ने विशेष सुरक्षा समूह, सीआईएसएफ, दिल्ली पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के साथ स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा तैयारियों को साझा करने के लिए आयोजित एक बैठक में इन सभी संभावित खतरों पर चर्चा की। एक अधिकारी ने कहा कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि इस साल स्वतंत्रता दिवस सितंबर में दिल्ली में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन से एक महीने से भी कम समय पहले पड़ रहा है। इस समारोह से पहले या उसके दौरान किसी भी प्रतिकूल घटना का देश की छवि पर और एक हाई प्रोफाइल कार्यक्रम की मेजबानी करने की तैयारी नकारात्मक असर पड़ेगा। खुफिया एजेंसियों ने यह भी बताया कि विभिन्न समूह अपने मुद्दों को सुर्खियों में लाने के लिए महत्वपूर्ण घटनाओं से पहले या उसके दौरान भी विरोध प्रदर्शन का सहारा पहले भी लेते रहे हैं। किसानों की मांग, समान नागरिक संहिता, श्रम/सेवाओं से संबंधित मुद्दों के अलावा इस साल के आयोजन के लिए सुरक्षा के नजरिये से बताए गए प्रमुख मुद्दों में मणिपुर के हालात भी शामिल थे। दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ खतरे की जानकारी साझा करते समय, उन्हें विरोध प्रदर्शनों पर हर अपडेट हासिल करने के लिए कहा गया है। उन्हें भीड़ और आंदोलन पर नजर रखने के लिए पड़ोसी राज्यों के पुलिस विभागों के साथ भी समन्वय करना चाहिए। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने सोशल मीडिया के बारे में भी चेतावनी दी है, जिसका इस्तेमाल कट्टरपंथ और लोगों को संगठित करने, मशहूर लोगों को धमकियां देने और ऐसे कामों के लिए इनाम देने के लिए तेजी से किया जा रहा है। बहरहाल एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित इंतजाम किए गए हैं।

मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को 'बीमार' बना दिया : खरगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को ''बीमार'' बना दिया है और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे अस्पताल भी चिकित्सकों तथा अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख ने यह भी दावा किया कि लोग अब जाग गए हैं और मोदी सरकार की ''विदाई'' का समय अब आ गया है। खरगे ने एक मीडिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया है कि 19 एम्स चिकित्सकों एवं अन्य कर्मियों की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

कांग्रेस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर काव्यात्मक अंदाज में लिखा, ''लूट और जुमलों ने देश को किया अस्वस्थ, मोदी जी के हर शब्द में केवल झूठ ही कंठस्थ। दावा किया कि बनाए हैं एम्स कई सारे, सच्चाई है कि 'डॉक्टर-स्टाफ' की भारी कमी से जूझे एम्स हमारे।'' उन्होंने लिखा, ''मोदी जी, कोरोना वायरस महामारी के दौरान उदासीनता से लेकर, आयुष्मान भारत में घपलेबाजी तक ज्आपकी सरकार ने देश की स्वास्थ्य प्रणाली को बीमार बनाया है।'' खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''जनता जाग चुकी है, आपका छल-कपट पहचान चुकी है, आपकी सरकार की विदाई की घड़ी आ चुकी है।

2024 लोकसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए गांव गांव जाकर समाजवादी पार्टी की जनचेतना चौपाल का आयोजन किया जा रहा है:अवधेश चौधरी उपाध्यक्ष देवरिया

देवरिया। विधानसभा क्षेत्र बरहज जनपद देवरिया के मइल भागलपुर में जनचेतना चौपाल का आयोजन किया गया समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष आदरणीय श्री अवधेश चौधरी जी की नेतृत्व में जिसमें माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के वर्ष 2012 से 2017 तक के कार्यों को विस्तृत रूप से सभी को अवगत कराया गया तथा भाजपा के जन विरोधी नीतियों से सभी लोगों को अवगत कराया गया सभी लोगों ने कहा की 2024 में भाजपा को हटाकर देश बचाने का काम करें सभी सेक्टर के कार्यकर्ता एवं सभी लोग सभा में हुए शामिल सभी लोगों ने संकल्प लिया माननीय श्री अखिलेश यादव जी को 2024 व 2027 में विजई बनाया जाएगा सभा मे उपस्तित कार्यकर्ता व नेता गढ़ ग्राम प्रधान मइल राजेश चौधरी जी अमरजीत यादव भगवान खरवार राजन खरवार अनुरुद्ध साहनी अशोक चौधरी गुड्डु चौधरी अनिल भारतीय सुर्शन भारतीय राकेश सिंह विजय बहादुर व कार्यकर्ता शामिल।

जंगल में लगी भीषण आग की लपटों में घिरा अमेरिका का हवाई शहर, 89 लोगों की हुई मौत

हवाई । अमेरिका के हवाई में जंगलों में लगी आग बुझने का नाम ही नहीं ले रही है। जितना इसे रोकने की कोशिश हो रही है यह उतनी ही विकराल होती जा रही है। आग में जलने से अब तक 89 लोगों की मौत हो चुकी है। जानकारी के अनुसार माउई द्वीप पर बसा पूरा लहानिया शहर इस आग की चपेट में आ चुका है। यह अमेरिका के 100 साल के इतिहास में सबसे घातक आग बन गई है।

हालांकि हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। आग में फंसे लोगों का कहना है कि वह मरने के लिए मजबूर हैं। इमरजेंसी टीमें लगातार लाहिना के जंगलों की तलाशी में लगी हुई हैं, जिसमें पता लगाया जा रहा है कि कहीं कोई और आग से घिरा तो नहीं हैं। इसके साथ ही अधिकारी अब ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐतिहासिक रिसॉर्ट शहर में आग इतनी तेजी से कैसे फैल गई। माउई के हवाई द्वीप में लगी जंगल की इस आग में भारत से भेजा गया करीब 150 साल पुराना बरगद का पेड़ भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। इस आग में बचे हुए शख्स ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ वैन के पीछे खड़ा था। तभी आग की लपटों और घुटन भरे काले धुएं ने उन्हें घेर लिया। लोग दौड़ रहे थे और चिल्ला रहे थे। इसी बीच धमाकों की गूंज उठी। उसने कहा कि अब मैंने सोचा कि मरने के लिए तैयार रहना होगा। इस बीच मैंने अपनी मां को फोन किया और बताया कि उनसे कितना प्यार करता हूं। फिर अपने भाई से और बेटी से बात की। अधिकारियों ने बताया कि माउई जंगल की आग से मरने वालों की संख्या अब 89 हो गई है। यह अमेरिका के 100 साल के इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा साबित हुई है। इससे पहले हवाई के अमेरिकी राज्य बनने के बाद साल 1960 में आई सुनामी में 61 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि साल 2018 में कैलिफोर्निया के पैराडाइज शहर में 85 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

छह प्रांतों के चुनाव संपन्न, तीन में पीएम के गठबंधन को मिली जीत

कुआलालंपुर । मलेशिया में हाल ही में संपन्न हुए छह प्रांतों के चुनावों में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बहुदलीय गठबंधन को तीन प्रांतों में जीत ?मिली है। इसी तरह प्रतिद्वंद्वी इस्लामी पार्टी ने भी तीन प्रांतों में जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने घोषणा की कि अनवर के बहुदलीय गठबंधन को देश के दो सबसे अमीर प्रांतों सेलंगोर और पेनांग में जीत मिली, जबकि नेगेरी सेंबिलन में भी वह विजयी रहा। आयोग ने कहा कि विपक्षी पेरिकतान नेसनल (पीएन) गठबंधन ने केदाह, केलांतन और तेरेंगनू में जीत दर्ज की। पीएन गठबंधन में पैन-मलेशियन इस्लामी पार्टी शामिल है। जानकारों ने कहा कि परिणाम से अनवर पर दबाव कुछ कम हुआ है और उनकी नयी सरकार की स्थिरता बढ़ेगी। हालांकि उनके लिए आने वाला समय अभी भी चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री मुहिद्दीन यासिन के नेतृत्व वाले पीएन गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया है। गौरतलब है कि पीएन गठबंधन ने छह प्रांतों की 245 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिनमें से उसे 146 सीट पर जीत मिली है, जबकि अनवर का गठबंधन 99 सीट पर विजयी रहा है। मलेशिया के करीब 98 लाख मतदाता इन चुनावों में मतदान के लिए पात्र थे। निर्वाचन आयोग ने मतदान संपन्न होने से दो घंटे पहले कहा, प्रत्येक राज्य में 60 से 70 प्रतिशत तक मतदान हुआ है।

अल-शबाब के 23 आतंकियों को सोमालिया में सेना ने किया ढेर

मोगादिशु । सोमालिया में सेना ने 23 आतंकियों को ढेर कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार सोमाली राष्ट्रीय सेना ने देश के दक्षिणी हिस्से में अल-शबाब के 23 आतंकवादियों को मार गिराया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि तीन सैन्य अभियान खाड़ी क्षेत्र के बुला-फुले में चलाए गए, इसके दौरान सैनिकों ने अल-शबाब के तीन ठिकानों को नष्ट कर दिया। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान दो कमांडरों सहित 23 आतंकवादियों को मार गिराया गया। निशाने पर एक चौकी, विस्फोटक इकट्ठा करने के लिए एक गैरेज और नेताओं द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक प्रशासनिक कार्यालय शामिल था। हालांकि यह नवीनतम सैन्य अभियान ऐसे समय में हुआ है, जब सोमालिया में अफ्रीकी संघ संक्रमण मिशन (एटीएमआईएस) और उसके सहयोगी एटीएमआईएस सेना की वापसी के पहले चरण पर एक संयुक्त तकनीकी मूल्यांकन करने की तैयारी कर रहे हैं, जो जून में संपन्न हुआ था। राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद द्वारा 2022 में आतंकवादियों के खिलाफ युद्ध की घोषणा के बाद से सरकारी बलों ने अल-शबाब के खिलाफ हमले जारी रखे हैं। राष्ट्रपति ने अल-शबाब आतंकवादियों को उनके गढ़ों से बाहर निकालने की कसम खाई है। उसी के प्रतिकूल यह कार्रवाई बताई जा रही है।

फ्लाइट में की अश्लील हरकत, लड़की की शिकायत पर भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर गिरफ्तार

न्यूयॉर्क । फ्लाइट में सवार एक भारतीय- अमेरिकी डॉक्टर ने अश्लील हरकत की, जिसकी शिकायत एक लड़की ने कर दी। बाद में उसे उतरते ही गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला मई 2022 का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार होनोलूलू से बोस्टन की उड़ान में यह घटना घटित हुई है। पुसिल ने 33 वर्षीय सुदीप्त मोहंती पर अमेरिका के विशेष विमान में रहने के दौरान भद्दे, अशोभनीय और अश्लील कृत्य का मामला दर्ज किया गया था। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि बोस्टन में प्रैक्टिस करने वाले आंतरिक चिकित्सा और प्राथमिक देखभाल डॉक्टर, मोहंती को गिरफ्तार किया गया और बोस्टन में संघीय अदालत में प्रारंभिक उपस्थिति के बाद शर्तों पर रिहा कर दिया गया। कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी जोशुआ एस लेवी ने कहा कि हर किसी को, विशेषकर बच्चों को, यात्रा करते समय अभद्र आचरण का सामना न करने का पूर्ण अधिकार है। उन्होंने कहा कि यदि आप अवैध व्यवहार में शामिल हैं, तो ऐसा होने पर आपको पकड़ा जाएगा और जवाबदेह ठहराया जाएगा। जानकारी के अनुसार, मोहंती 27 मई, 2022 को एक महिला साथी के साथ होनोलूलू से बोस्टन जाने वाली हवाईयन एयरलाइंस की फ्लाइट में सवार थे। वह अपने दादा-दादी के साथ यात्रा कर रही 14 वर्षीय नाबालिग के बगल में बैठे थे। उड़ान के लगभग आधे रास्ते में, नाबालिग ने देखा कि मोहंती ने खुद को गर्दन तक कंबल से ढक लिया था और मोहंती का पैर ऊपर-नीचे उछल रहा था। इसके तुरंत बाद, नाबालिग ने देखा कि कंबल फर्श पर था और मोहंती हस्तमैथुन कर रहा था। नाबालिग उसी समय एक अलग पंक्ति में एक खाली सीट पर चली गई। बोस्टन पहुंचने के बाद, नाबालिग ने अपने परिवार के सदस्यों को घटना के बारे में सूचित किया और कानून प्रवर्तन को सूचित किया गया। इसके बाद मोहंती को गिरफ्तार किया।

खालिस्तानी उग्रवादियों ने कनाडा के एक और हिंदू मंदिर में की तोड़फोड़

ओटावा । कनाडा में खालिस्तानी उग्रवादियों द्वारा हिंदू मंदिरों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है, इसी कड़ी में एक बार फिर खालिस्तान समर्थक चरमपंथियों ने एक और हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की है। इसके साथ ही भारतीय समुदाय के बीच डर पैदा करने के लिए कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका की सीमा पर फ्रेजर नदी के दक्षिण में स्थित सरे शहर के एक मंदिर के मुख्य द्वार पर पोस्टर लगाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पोस्टर में हरदीप निज्जर की हत्या पर जनमत संग्रह कराने की बात कही गई है। खालिस्तानियों की करतूत का एक वीडियो भी ट्वीट किया है, जिसमें दो नकाबपोश खालिस्तान समर्थकों को मंदिर के प्रवेश द्वार पर पोस्टर चिपकाते हुए देखा जा सकता है। पोस्टर पर लिखा गया है कि 18 जून को हुई हत्याकांड में भारत की भूमिका की जांच पर खालिस्तान समर्थक जनमत संग्रह कराने जा रहे हैं। पोस्टर पर जतिंदर हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीर लगाकर उसे शहीद बताया गया है। यहां गौरतलब है कि 18 जून को कनाडा में खालिस्तान समर्थक उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसे भारत सरकार ने डेजिग्नेटेड आतंकी घोषित किया था। हाल ही में भारत सरकार ने 41 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उसमें हरदीप निज्जर का भी नाम शामिल था। वहीं सरे शहर में ही निज्जर को गोली मारी गई थी। वह कनाडा के सिख संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा हुआ था। निज्जर पंजाब के जालंधर जिले का रहने वाला था। वह पिछले कई सालों से कनाडा में खालिस्तान आंदोलन को बढ़ावा दे रहा था।

सियोल में जापानी सरकार के परमाणु संक्रमित पानी को छोड़े जाने के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग।

कैज फाइट को लेकर जुकरबर्ग की हां, लेकिन मस्क कर रहे गुमराह

सैन फ्रांसिस्को । कैज फाइट को लेकर जहां जुकरबर्ग काफी उत्साहित दिख रहे हैं, वहीं एलन मस्क टालमटोली करते दिखाई दे रहे हैं। हालां?कि मुकाबला कब, कहां होगा यह स्पष्ट नहीं है। बता दें कि 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के मालिक एलन मस्क और मेटा के सह-संस्थापक मार्क जुकरबर्ग के बीच केज फाइट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच फेसबुक बॉस ने एक नया बयान जारी किया है। जुकरबर्ग ने कहा, 'मुझे यह खेल पसंद है और मैं उस दिन से लड़ने के लिए तैयार हूं, जिस दिन से एलन ने मुझे चुनौती दी थी। यदि वह कभी किसी वास्तविक तिथि पर सहमत होते है, तो आप इसे मुझसे सुनेंगे। तब तक, कृपया मान लें कि वह जो कुछ भी कहते हैं उस पर सहमति नहीं बनी है। जुकरबर्ग ने आगे कहा कि एलन के लिए मैं अपनी सांसें नहीं रोक रहा हूं, लेकिन जब मैं तैयार हो जाऊंगा तो अपनी अगली फाइट के बारे में डिटेल साझा करूंगा। जब मैं प्रतिस्पर्धा करता हूं, तो मैं इसे इस तरह से करना चाहता हूं जिससे खेल के टॉप पर मौजूद विशिष्ट एथलीटों पर ध्यान जाए। इसके लिए एक शानदार कार्ड बनाने के लिए यूएफसी या ओएनई जैसे पेशेवर संगठनों के साथ काम करके ऐसा करते हैं। मस्क ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया कि फाइट का प्रबंधन मेरे और जुकरबर्ग के फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। यूएफसी इसका प्रबंधन नहीं करेगी। लाइवस्ट्रीम इस प्लेटफॉर्म (एस्स) और मेटा पर होगा। कैमरे के फ्रेम में सब कुछ प्राचीन रोम जैसा होगा, इसलिए कुछ भी आधुनिक नहीं होगा। मैंने इटली के पीएम और संस्कृति मंत्री से बात की। वे एक विशिष्ट स्थान पर सहमत हुए हैं। मार्क जुकरबर्ग के साथ कैज फाइट के ईलॉन मस्क के साहसिक विचार से इटली की सरकार चर्चा में है।

वैश्विक समस्याएँ के समाधान में धार्मिक नेता दे सकते हैं अहम योगदान: लोकेश मुनि

वाशिंगटन। (एजेंसी)। जैन समुदाय के प्रतिष्ठित धार्मिक नेता आचार्य लोकेश मुनि ने कहा है कि दुनिया के प्रमुख धर्मों एवं आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूद यूक्रेन युद्ध जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान करने और स्थायी शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। आचार्य मुनि ने 14 अगस्त से 18 अगस्त तक शिकागो में होने वाली 2023 विश्व धर्म संसद से पहले 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा, ''मैं शिकागो में यही संदेश लेकर पहुंचा हूं।'' इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में 80 देशों से करीब 10,000 प्रतिनिधि शामिल होंगे। लोकेश मुनि विश्व के उन कुछ धार्मिक नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें पूर्ण सत्र में वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया गया है।

आचार्य मुनि ने कहा, ''अब समय आ गया है कि विश्व के नेता शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज एवं दुनिया के लिए एक रूपरेखा तैयार करें।'' उन्होंने कहा कि विश्व के प्रमुख धर्मों और आस्थाओं के नेता मानवता के सामने मौजूदा प्रमुख चुनौतियों को हल करने और ऐसे समय में स्थायी शांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, तब यूक्रेन में युद्ध जारी है। जैन मुनि ने कहा कि मानवता जिन समस्याओं से जूझ रही है, उनमें से किसी का भी समाधान युद्ध, हिंसा एवं आतंक नहीं है तथा सभी मतभेदों एवं विवादों को वार्ता के जरिए सुलझाया जा सकता है। उन्होंने युक्रेन में जारी युद्ध के संदर्भ में कहा कि वर्षों के युद्ध के बाद भी जंग केवल वार्ता के जरिए ही समाप्त होती है, तो ''इंतजार क्यों करना? वार्ता और कूटनीति को अभी शुरू किया जाए।''

लोकेश मुनि ने कहा, ''युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता अहम है। मेरी अगले सप्ताह विश्व धर्म संसद में इस मामले को उठाने की योजना है।'' वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका के विभिन्न स्थानों की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि बंदूक हिंसा की समस्या के समाधान के लिए नैतिक और मूल्य-आधारित शिक्षा अहम है तथा इसे प्राथमिक विद्यालय के स्तर से शुरू किया जाना चाहिए। लोकेश मुनि ने कहा कि बंदूकों पर प्रतिबंध बंदूक हिंसा का दीर्घकालीन समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को हालिया संवाद में यही संदेश दिया था।

नवाज शरीफ फिर पीएम की दौड़ में शामिल, पीएमएल-एन ने किया नामित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पूर्व पीएम नवाज शरीफ एक बार फिर प्रधानमत्री पद की दौड़ में शामिल हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया है। प्रधानमंत्री आवास पर एक प्रेस वार्ता के दौरान पीएमएल-एन प्रमुख शहबाज शरीफ ने कहा कि चुनाव अधिनियम में किए गए संशोधन ने नवाज शरीफ को किसी भी अयोग्यता से मुक्त कर दिया है, जिससे उनकी वापसी में भी बाधा दूर हो गई है। नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष के रूप में मैंने नवाज शरीफ को पीएमएल-एन के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया है।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आम चुनाव की तारीख पर अंतिम निर्णय पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) पर निर्भर करता है, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी जल्द से जल्द चुनाव कराना चाहती है। इस दौरान पीएमएल-एन नेता इशाक डार ने कहा कि नवाज शरीफ की अयोग्यता की अवधि 26 जुलाई को समाप्त हो गई। इस सप्ताह की शुरुआत में

एक साक्षात्कार में शहबाज़ शरीफ़ ने कहा था कि नवाज़ शरीफ़ सितंबर में लंदन से पाकिस्तान लौटने वाले हैं और अपने लंबित अदालती मामलों का सामना करेंगे। उन्होंने कहा था कि कार्यवाहक सरकार बनने के बाद वह अपने भाई के साथ वापसी की योजना पर चर्चा करने के लिए वह लंदन जाएंगे। शहबाज ने कहा कि अगर पीएमएल-एन अगला चुनाव जीतती है, तो नवाज शरीफ उनकी पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे और चौथी बार अगले पीएम होंगे। बता दें कि नवाज शरीफ, जिन्हें भ्रष्टाचार के मामलों में 2018 के आम चुनाव से पहले एक जवाबदेही अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था, 2019 में इलाज के लिए लंदन गए थे और तब से वहीं रह रहे हैं।

एशिया के 46 करोड़ बच्चे आए भीषण गर्मी की चपेट में, हीटवेव से गई 61 हजार की जान

जिनेवा (एजेंसी)। इस समय दुनियाभर में भीषण गर्मी का प्रकोप चल रहा है। इससे बच्चे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। यूएन के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण अकेले दक्षिण एशिया में तीन-चौथाई बच्चे खतरनाक गर्मी की चपेट में हैं, जिनकी संख्या करीब 46 करोड़ बताई जा रही है। हालांकि कहीं बहुत ज्यादा गर्मी के कारण जंगलों में आग लग रही है तो कहीं लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। भारत के भी कई राज्यों में गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। अपने ठंडे मौसम के लिए पहचाने जाने वाले यूरोप और अमेरिका इस बार एतिहासिक गर्मी का सामना कर रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने एक डराने वाली चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ के मुताबिक, मौजूदा समय में दुनिया में सबसे ज्यादा तापमान दक्षिण एशिया में है। जलवायु परिवर्तन के भयंकर असर के कारण इस क्षेत्र के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है। इस बढ़ते हुए तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, दक्षिण एशिया में 18 साल से कम उम्र के 76 फीसदी बच्चे भीषण तापमान वाले इलाकों में रहते हैं। इनकी तादाद करीब 46 करोड़ है। यूनिसेफ के मुताबिक, अगर वैश्विक स्तर पर बात की जाए तो हर तीन में से एक बच्चा भीषण गर्मी से प्रभावित है। दक्षिण एशिया के यूनिसेफ के क्षेत्रीय निदेशक संजय विजेसेकेरा के मुताबिक इन दिनों वैश्विक तापमान उबाल पर है। आंकड़ों से साफ है कि दक्षिण एशिया में करोड़ों बच्चों का जीवन हीटवेव और बहुत ज्यादा तापमान के कारण जोखिम में पड़ गया है। यूएन की ओर से जारी चेतावनी के मुताबिक, भारत समेत अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के असर के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा जोखिम में हैं।

भगोड़ों को छिपने की जगह बनने का ब्रिटेन का कोई इरादा नहीं : ब्रितानी मंत्री

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। ब्रिटेन के सुरक्षा मंत्री टॉम टुगेंडहट ने अरबपति भगोड़ों विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के लिए भारत द्वारा लगातार दबाव बनाये जाने के बीच कहा है कि ऐसी जगह बनने का उनके देश का कोई इरादा नहीं है, जहां न्याय के दायरे में आने से बचने की कोशिश कर रहे लोग छिप सकें। टुगेंडहट ने किसी विशेष मामले का जिक्र किए बिना कहा कि प्रत्यर्पण संबंधी मामलों में कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने पीटीआई-से साक्षात्कार में कहा, ''हम दोनों (ब्रिटेन और भारत) की कानूनी प्रक्रियाएं हैं, जिनका पालन करना आवश्यक है, लेकिन ब्रिटेन सरकार इस बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है कि ऐसी जगह बनने का हमारा कोई इरादा नहीं है जहां न्याय से बचने की कोशिश कर रहे लोग छिप सकें।''

टुगेंडहट ने ब्रिटेन में रह रहे माल्या और नीरव मोदी समेत कई आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण की भारत की मांग से जुड़े एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। टुगेंडहट कोलकाता में हुई 'जी-20 भ्रष्टाचार-विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक' में भाग लेने के लिए 10-12 अगस्त तक तीन-दिवसीय यात्रा पर भारत में थे। उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी दिल्ली में बातचीत की। भगोड़ा हीरा व्यापारी नीरव मोदी भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के मामलों में वांछित है। नीरव (52) अनुमानित दो अरब डॉलर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ऋण घोटाला मामले में भारत में प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ ब्रिटेन की उच्चतम न्यायालय में अपनी कानूनी लड़ाई पिछले साल हार गया था।

माल्या मार्च 2016 में ब्रिटेन भाग गया था। वह भारत में किंगफिशर एयरलाइंस को कई बैंकों द्वारा दिए गए 9,000 करोड़ रुपये के ऋण भुगतान की अदायगी नहीं किये जाने के मामले में वांछित है। ब्रितानी सुरक्षा मंत्री ने डोभाल के साथ हुई उनकी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर इसका विवरण साझा करने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि व्यापक द्विपक्षीय सहयोग दोनों देशों की सुरक्षा और नागरिकों की समृद्धि पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, ''हम अपने दोनों देशों की सुरक्षा और हमारे नागरिकों की समृद्धि, देश-विदेश में अपना व्यवसाय करने की उनकी क्षमता के बारे में बात कर रहे हैं।''

टुगेंडहट ने कहा, ''लेकिन हम हमारे सामने मौजूद चुनौतियों की भी बात कर रहे हैं और हमने अलग-अलग तरीकों से यह स्पष्ट किया है कि चीन की चुनौती हम दोनों देशों के सामने है। हमने आपकी उत्तरी सीमा पर घटनाएं देखी हैं। हमने प्रौद्योगिकी में हुए बदलावों और इससे निपटने के तरीकों पर भी बात की। हमने उन क्षेत्रों पर गौर किया, जिनमें अधिक सहयोग की आवश्यकता है।'' उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि कैसे भारत और ब्रिटेन कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित नई प्रौद्योगिकियों में सहयोग कर रहे हैं। टुगेंडहट ने कहा, ''हम देख रहे हैं कि आज भारत न केवल भारतीय एआई, बल्कि ब्रितानी एआई का भी केंद्र है।''

खतरे का संकेत ! हमारी सोच से भी ज्यादा तेज गति से घूम रहा मंगल ग्रह

– दिन का आकार हुआ छोटा, जांच में जुटे वैज्ञानिक

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा के वैज्ञानिकों ने हाल ही में खुलासा किया है कि मंगल ग्रह बहुत तेज गति से घूम रहा है। यह जानकारी पिछले साल दिसंबर में सेवानिवत्त नासा के इनसाइट मार्स लैंडर के डेटा से मिली है। लैंडर ने मार्स ग्रह के घूमने और इसके हिलने के बारे में नई जानकारी दी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इनसाइट मार्स लैंडर इस ग्रह के रोटेशन एंड इंटीरियर स्ट्रक्चर एक्सपेरिमेंट का अध्ययन कर रहा था। एक मैगजीन में छपी रिपोर्ट के अनुसार मंगल ग्रह की गति की दर को ट्रैक कर पृथ्वी पर नासा के केंद्र को भेज दिया गया था, इसलिए उसने उन्नत रेडियो तकनीक और एंटीना का उपयोग किया। रिपोर्ट के अनुसार मंगल ग्रह का घूर्णन गति प्रतिवर्ष मिलीआर्कसेकेंड तेज हो रहा है। परिणामस्वरूप यहां दिन का समय कुछ कम हो गया है। दक्षिण कैलिफोर्निया में नासा के जेट प्रोपल्शन लैब के हेड ब्रूस बैंडर्ट ने कहा कि मैं लंबे समय से इस पर काम कर रहा हूं, ऐसा रिजल्ट मेरे लंबे समय के कार्य और धैर्य का परिणाम है। बताया जा रहा है कि मंगल के घूमने की गति काफी जटिल है।

वैज्ञानिक इसका कारण पता लगा रहे हैं। इसके पीछे कई थ्योरी बताई जा रही हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि मंगल ग्रह के ध्रुवों पर बर्फ जमा होने या फिर बड़े भारी मात्रा हिमनद के पिघलने के बाद वहां आए बड़े लैंड मास हो सकते हैं, क्योंकि इन्हीं कारणों से ग्रह की घूर्णन गति तेज हो सकती है।वैज्ञानिक ने मंगल ग्रह के कंपन के अध्ययन की मदद से इसके अंदर के खनिज पदार्थों और ग्रह की त्रिज्या मापने की कोशिश की। यह अनुमान व्यक्त किया जा रहा है कि मंगल की त्रिज्या 1,140 मील है। वहीं नेचर मैगजीन में छपी रिपोर्ट के अन्य लेखक ने इस पर दूसरी जानकारी दी है। अब रॉयल ऑब्जर्वेटरी ऑफ बेल्जियम के एटिलियो रिवोल्डिनी का कहना है कि मंगल ग्रह के कोर के आकार को केवल इसके घूर्णन से नहीं समझाया जा सकता है। ग्रह का आकार मापने के लिए उसके अंदर दबे हुए थोड़े ज्यादा और थोड़े कम घनत्व वाले क्षेत्रों की पहचान करनी होगी।

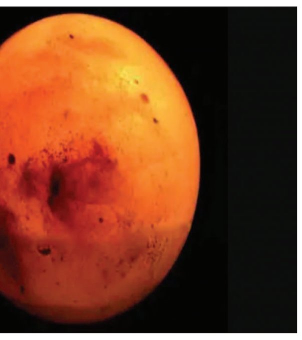

संपादकीय

मनचलों पर शिकंजा

देश के विभिन्न भागों में लड़कियों व बच्चियों से छेड़छाड़ व यौन अपराधों की घटनाओं में लगातार हो रही अप्रत्याशित वृद्धि डराने वाली है। बहुचर्चित निर्भया कांड के बाद यौन अपराधों पर अंकुश के लिये कानूनों को सख्त बनाये जाने के बावजूद अपराधों का ग्राफ गिरा नहीं है। बल्कि कई राज्यों में नाबालिगों से दुष्कर्म करने पर मृत्युदंड जैसी सजा के प्रावधान के बावजूद अपराध नहीं थमे हैं। समाज के सामने बड़ा संकट यह है कि इस यौन कुंठा पर कैसे रोक लगायी जाए। ऐसे हताशा के माहौल में राजस्थान में एक आशा की किरण दिखायी दी है। हाल के दिनों में राजस्थान में एक किशोरी से दुष्कर्म, हत्या व जलाये जाने की घटना से पूरा देश उद्वेलित हुआ था। जिसको विपक्ष ने बड़ा मुद्दा बनाया था। आसन्न विधानसभा चुनाव के दबाव में राजस्थान सरकार ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जोखिम लेने को कतई तैयार नहीं थी। इसी दिशा में एक नई पहल करते हुए राजस्थान सरकार ने फैसला किया है कि महिलाओं, लड़कियों व बच्चियों से छेड़छाड़ करने वालों को अब राज्य में सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इस सूची में शामिल दुष्कर्म का प्रयास करने वालों, दुष्कर्म के आरोपियों एवं मनचलों को भी सरकारी नौकरी से वंचित रखा जायेगा। ऐसे लोगों के चरित्र प्रमाणपत्र में बाकायदा इस बात का उल्लेख किया जायेगा। पुलिस थानों में अब तक जैसे हिस्ट्रीशीटरों का रिकॉर्ड रखा जाता था, वैसे ही इन शोहदों का लेखा-जोखा भी रखा जायेगा। राज्य सरकार ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराध रोकना प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार ने राज्य में सरकारी भर्ती करने वाली एजेंसियों को इस तरह का रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया है। ताकि जब राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन व कर्मचारी चयन आयोग में ऐसे आरोपी आवेदन करेंगे तो स्वतः ही उनका आवेदन खारिज हो जायेगा। दरअसल, इन संस्थाओं को पुलिस के जरिये अभियुक्तों का डेटाबेस उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस घोषणा का विधिवत क्रियान्वयन होगा, यह महज चुनावी माहौल में की गई घोषणा न हो। दरअसल, यहां सवाल सिर्फ राजस्थान का ही नहीं है बल्कि देश के विभिन्न भागों में लड़कियों के साथ छेड़छाड़ व जघन्य अपराधों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार के स्तर पर सभी राज्यों के लिये प्रशासनिक व कानूनी प्रावधान किये जाने की जरूरत है, जिससे यौन अपराधों पर अंकुश लग सके। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के वे आंकड़े हमें शर्मसार करते हैं जिनमें कहा गया था कि देश में रोज अस्सी-नब्बे बलात्कार के मामले दर्ज होते हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि सख्त कानून और पुलिस-प्रशासन की सक्रियता के बावजूद ऐसे अपराध क्यों नहीं रुक रहे हैं। जाहिर है अपराध नियंत्रण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित किये जाने की जरूरत है। यह बात सही है कि किसी समाज को पूरी तरह अपराध मुक्त नहीं किया जा सकता मगर फिर इस दिशा में गंभीर प्रयास तो होने ही चाहिए। आम लोगों को भयमुक्त सुशासन देना शासन-प्रशासन का प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। ऐसे में राजस्थान सरकार का हालिया कदम कुछ उम्मीद जगाता है। इसकी वजह यह है कि आम भारतीय युवाओं में सरकारी नौकरी का बड़ा सम्मोहन होता है। नौकरी न मिलने की आशंका के चलते भटके हुए युवा ऐसे कृत्यों से बचने का प्रयास करेंगे।

आज का राशीफल

मेष — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ — व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह — पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या — व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक — पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर — रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

भारत रत्न दीजिए अमर बलिदानी 17 वर्षीय शहीद जगदीश प्रसाद वत्स को!

पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई। धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे ,लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया।

(बलिदान दिवस 14 अगस्त / लेखक- डा0 श्रीगोपाल नारसन)

जगदीश प्रसाद वत्स की उम्र की क्या थी?मात्र 17 वर्ष,जब ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में बीएएमएस की पढ़ाई करते हुए तिरंगे के लिए उन्होंने एक नही,दो नही बल्कि तीन गोलियां खाकर देश मे आजादी का बिगुल बजाया था और अपने प्राणों की आहुति दी थी।सच यह है कि जिस उम्र में युवा अपनी पढ़ाई कर बेहतर भविष्य के सपने बुनते है उसी 17 वर्ष की उम्र में छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने भारत मां को आजाद कराने के लिए सीने पर गोलियां खाकर देशप्रेम व बहादुरी का एक इतिहास लिखा था।जो आज भी सवर्ण अक्षरों में अंकित है। इन राष्ट्रभक्तों में अनेक ऐसे भी थे,जिनकी उम्र खिलौने से खेलने और स्कूल कालेज जाकर अपना भविष्य संवारने की थी परन्तु उन्होने खिलौनो से खेलने या फिर स्कूल कालेजो में जाकर अपना कैरियर बनाने के बजाए भारत माता को आजाद कराने का जोखिम भरा मार्ग चुना था। 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स,जिन्होंने सन 1942 में हरिद्वार के ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज में पढ़ते हुए आजादी का बिगुल बजाया था। कालेज के छात्रों का नेतृत्व करते हुए 17 वर्षीय जगदीश प्रसाद वत्स ने तिंरगे झण्डे हाथ में लेकर अंग्रेज पुलिस को चुनौती देने का साहस किया था। 13 अगस्त सन 1942 की रात्रि में छात्रावास में हुई छात्रो की एक बैठक में 14 अगस्त को तिरंगे फैहराने के लिए सडको पर निकलने और भारत माता की जय,इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने के लिए, लिए गए निर्णय को अमलीजामा पहनाते हुए छात्रों का दल 14 अगस्त की सवेरे ही हरिद्वार की सडको पर निकल पडा था। पुलिस की छावनी के बीच भी जब छात्र जगदीश प्रसाद वत्स ने सुभाष धाट पर पहला तिरंगा फैहराया तो अंग्रेज पुलिस की एक गोली उनके बाजू को चीरती हुई निकल गई । धायल जगदीश ने धोती को फाडकर धाव पर बांध लिया और फिर दुसरा तिरंगा फैहराने के लिए डाकधर की तरफ दौड लगा दी। पुलिस की गोली चलने से बाकी छात्र तो तितर बितर हो गए थे ,लेकिन 17 वर्षीय जगदीश तिरंगे फैहराने की जिद पर अडिग रहा और उसने दौडते हुए जाकर दुसरा तिरंगा डाकधर पर फैहरा दिया। वहां भी पुलिस ने गोली चलाई जो जगदीश के पैर में लगी। जगदीश ने फिर पटटी स्टेशन पर पहुंचकर पाइप के रास्ते उपर चढकर तीसरा तिरंगा फैहरा दिया। जैसे ही जगदीश तिरंगा फैहराकर नीचे उतरा तो राजकीय रेलवे पुलिस के इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव ने उन्हे धेर लिया। जगदीश ने तांव में आकर एक थप्पड इन्सपैक्टर श्रीवास्तव को रसीद कर दिया, जिससे वह नीचे गिर पडा। इन्सपैक्टर ने नीचे पडे पडे ही एक गोली जगदीश को मार दी जो उनके सीने में लगी। तीसरी गोली लगते ही जगदीश मुछिर्त हो गया। जिन्हे इलाज के लिए देहरादून सेना अस्पताल ले जाया गया। बताते है कि वहां

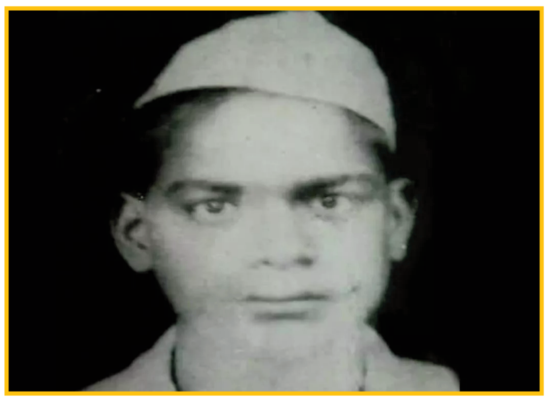

जगदीश को एक बार होश आया था और उनसे माफी मांगने को कहा गया था परन्तु माफी न मांगने पर उन्हे कथित रूप में जहर का इंजेक्शन देकर उनकी हत्या कर दी गई। सहारनपुर जिले के ग्राम खजूरी अकबरपुर निवासी जगदीश वत्स का शव भी पुलिस ने उनके पिता पंडित कदम सिंह शर्मा को नही दिया था।उल्टे दुस्साहसी अंग्रेजो ने जगदीश वत्स को गोली मारने वाले पुलिस इन्सपैक्टर प्रेम शंकर श्रीवास्तव को पुलिस मैडल प्रदान किया था। लेकिन देश आजाद होने पर प्रथम प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जगदीश वत्स की राष्ट्रभक्ति व वीरता की प्रंशसा करते हुए एक विजय ट्राफी वत्स परिवार को दी थी। जो धरोहर केरूप में आज भी सुरक्षित है। जगदीश वत्स की स्मृति में उनके गांव खजूरी अकबरपुर में एक जूनियर हाई स्कूल है जो स्थापना पचास वर्ष बाद भी हाई स्कूल और इंटर कॉलेज तक नही बन पाया, एक अस्पताल है ,जो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से आगे नही बढ़ पाया, एक सडक है,जो जीर्णशीर्ण हालत में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। वही हरिद्वार के भल्ला पार्क में सन्त ब्रह्मास्वरूप ब्रह्मचारी के सहयोग से शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा लगाई गई,जहां स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के कारण अतिक्रमण व गन्दगी के पांव पसार लिए है ।अलबत्ता ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज में उनकी प्रतिमा सम्माजनक रूप मे स्थापित है। इसी कॉलेज प्रतिवर्ष उनकी याद में एक वालीबाल टूर्नामेन्ट भी कराया जाता है।अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के परिवार में किसी भी आश्रित ने सरकार से स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पेंशन या अन्य कोई सम्मान या सरकारी सहायता आज तक स्वीकार नही की।जबकि जगदीश की शहादत के एक वर्ष के अन्दर उनके माता पिता की मृत्यु हो गई थी और घर में परिवार के नाम पर शहीद जगदीश की 15 वर्षीय छोटी बहन प्रकाशवती,13 वर्षीय छोटी बहन चन्द्रकला,10 वर्षीय छोटी बहन सुरेश वती और मात्र 5 वर्षीय छोटा भाई सुरेश दत्त वत्स रह गए थे। जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी 15 वर्षीय बहन प्रकाश वती पर आन पडी थी तो भी सरकारी सहायता को ठुकरा देना आजादी के बाद की यह एक बडी मिशाल है।फिर भी सरकार चाहती तो शहीद जगदीश वत्स की स्मृति में उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर अंतर्गत ग्राम खजूरी अकबरपुर में पचास वर्षों से चल रहे जगदीश प्रसाद स्मारक विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल से पहले हाई स्कूल और फिर इंटर किया जा सकता है।सही मायनों में जनपद सहारनपुर व हरिद्वार का यह एक मात्र शहीद जगदीश प्रसाद वत्स मरणोपरांत भारत रत्न सम्मान का हकदार है।क्या मेरी माटी मेरा देश अभियान और आजादी के अमृत महोत्सव के दृष्टिगत केंद्र सरकार या फिर उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सरकारें इस बाबत पहल कर शहीद जगदीश वत्स को भारत रत्न देगी?या फिर देश के लिए उनकी शहादत यूं ही इतिहास के पन्नो में भूला दी जाएगी।इस पर गहनता से चिंतन करना आवश्यक है।तभी हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते है।

(लेखक अमर शहीद जगदीश प्रसाद वत्स के भान्जे व वरिष्ठ पत्रकार है)

(जश्न-ए-आजादी) हमारा तिरंगा हमारा स्वाभिमान

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे 'विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी। यह आजादी का अमृतकाल है। देश के हर व्यक्ति को गौरव के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराना चाहिए। ऐसा करने अपने भीतर अपना देश, अपनी माटी की अकल्पनीय अनुभूति होती है और राष्ट्रीय भावना और मजबूत होती है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दर्शाती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित 'चक्र' अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती हैं। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली। हालांकि इसके पूर्व भी कई तरह के झंडे देश और विदेश में फहराए गए, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार नहीं किया गया था। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि यह हमारे गौरव, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक है। इसके सम्मान की हर हालत में रक्षा की जानी चाहिए। तिरंगे का अपमान राष्ट्र का अपमान समझा जाता है। फटे-पुराने एवं कटे हुए तिरंगे को नहीं फहराया जाना चाहिए। संविधान सभा की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के रूप में इसे अंगीकार किए जाने के बाद अभी सिर्फ एक बदलाव किया गया जिसमें चरखे की जगह अशोक स्तंभ के 'चक्र' का उपयोग किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज में कोई भी बदलाव नहीं हुआ। राष्ट्रीयध्वज के रोहण के लिए भी नियम बनाए गए हैं। भारतीय ध्वज संहिता यानी 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' में सब वर्णित है। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई है। भारतीय ध्वज संहिता 2002 को पुनः30 दिसंबर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया है। जिसमें राष्ट्रीय ध्वज हाथ से कते और बुने हुए या मशीन से कते कॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या फिर खादी की पट्टी से बनाया जा सकता है।

भारत का कोई भी नागरिक अपने निजी या सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर पर तिरंगा फहरा सकता है। हालांकि इसके पूर्व यह अनुमति नहीं थी, लेकिन दिसंबर 2002 में संविधान संशोधन के जरिए अनुमति दी गयी। साल 2009 में रात्रि में भी तिरंगे को फहराने की अनुमति दी गई। पूरे भारत में 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा तिरंगा सिर्फ तीन स्थानों पर फहराया जाता है इसमें कर्नाटक का नारगुंड किला, महाराष्ट्र में पनहाला किला और मध्य प्रदेश का ग्वालियर किला शामिल है। जब हम ध्वजारोहण करते हैं तो हमें हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि हमारे दाहिने तरफ ध्वज होना चाहिए। हमारी ध्वज संहिता में प्लास्टिक का झंडा फहराने पर रोक है। लेकिन बदली परिस्थितियों और व्यापारिक स्थितियों में खूब प्लास्टिक के झंडे का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई 3ः2 के अनुपात में होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पर कोई भी चित्र या लेखन नहीं होना चाहिए। तिरंगे का उपयोग व्यवहारिक कार्यों में किसी भी तरीके से नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी जमीन से नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के पास किसी भी धार्मिक या अन्य संस्था के झंडे को नहीं लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार कि कशीदाकारी, कुशन , रूमाल , नैपकिन नहीं बनायीं जा सकती है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी वस्तु को लपेटने , कोई वस्तु प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी भी वाहन की साइड्स , पृष्ठ भाग और ऊपर का भाग ढंकने के लिए नहीं किया जाएगा । इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक हर मौसम में सभी दिनों में फहराया जा सकता है। झंडे को तेज गति से फहराया जाना चाहिए और धीरे - धीरे नीचे उतारा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पानी , जमीन , फर्श या पगडंडी को नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी ऐसे तरीके से प्रदर्शित या बांधा नहीं जाएगा , जिससे उसे कोई क्षति होने की संभावना।

राष्ट्रीय ध्वज उल्टा करके कभी भी प्रदर्शित नहीं किया जाएगा अर्थात केसरिया पट्टी को नीचे की पट्टी के रूप में नहीं रखना चाहिए। क्षतिग्रस्त या अस्त - व्यस्त राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज किसी भी समय नीचे नहीं झुकना चाहिए। किसी भी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर या उसके अगल-बगल में नहीं रखा जाएगा। किसी तरह की फूल माला या प्रतीक के साथ कोई वस्तु नहीं रखी जाएगी। 'राष्ट्रीय सम्मान' के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग निजी स्तर पर की जाने वाली अंत्येष्टि अथवा अंत्येष्टि के दौरान आवरण के रूप में नहीं किया जा सकता। देश में राष्ट्रीय शोक की स्थिति में तिरंगा झुकाया जाता है। देश में जीतने दिन का राष्ट्रीय शोक रहता है तिरंगा तब तक झुका रहता है। राष्ट्रीय शोक खत्म होते ही तिरंगा को अपनी ऊंचाई पर सम्मानित कर दिया जाता है। देश के राष्ट्रॉध्यक्षों और सैनिकों के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर अंतिम विदाई दी जाती है। बाद में ध्वज को सम्मान किसी नदी या गुप्ता स्थान पर नष्ट कर दिया जाता है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हम सभी भारतीयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं करेंगे और जीवन पर्यन्त उसका सम्मान करेंगे। तिरंगा समूचे भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ राष्ट्र के सम्मान में हमें ध्वजारोहण करना चाहिए। अंतिम सांस तक उसके सम्मान की रक्षा का हमें संकल्प भी लेना चाहिए।

भ्रष्टाचार और कमीशन पर सियासत

(लेखक- सनत जैन)

मध्यप्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों ने द्वारा प्रदेश के 41 जिलों में कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की खबर है। कमीशन की चिट्ठी प्रियंका गांधी, कमलनाथ और अरुण यादव ने अपने ट्विटर हैंडल में डाली थी। इसके बाद सोशल मीडिया में यह चिट्ठी बड़ी तेजी के साथ वायरल हुई। सरकार और भाजपा संगठन हरकत में आया। ताबड़तोड़ तरीके से प्रदेश के 41 जिलों में दोनों नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई। पुलिस ने जो पत्र सोशल मीडिया में वायरल हुआ था उसकी जांच की, तो पता लगा कि शिकायतकर्ता का नाम और पता झूठा है। उसके बाद आरोप प्रत्यारोप की झड़ी लगइ गई। भाजपा और कांग्रेस के बीच में वह अर्थात पुलिस भी आ गई है। कांटेक्टर के हवाले से कमीशन को लेकर जो चिट्ठी लिखी गई थी। उस को आधार बनाकर पुलिस ने भाजपा पदाधिकारियों के आवेदन पर धारा 420 (धोखाधड़ी)ओर 469 कूट रचित इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों को तैयार करने के आरोप में एफआइआर दर्ज की है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा इंदौर,ग्वालियर इत्यादि शहरों में प्रदर्शन भी किया गया। भाजपा संगठन ने आरोप लगाया है,कि फर्जी दस्तावेज तैयार कर फर्जी चिट्ठी लिखी गई है। प्रियंका गांधी,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ और अरुण यादव के ट्विटर हैंडल को आधार बनाकर उन पर अपराध दर्ज कराया गया है। भाजपा संगठन का कहना है, कि सरकार को बदनाम करने के लिए चिट्ठी का यह षड्यंत्र रचा गया है। जिस पर पुलिस अपराधिक कार्यवाही करेगी।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कमीशन को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। 40 फ़ीसदी की सरकार कहकर कैंपन चलाया था। कांग्रेस उसी हथियार को अब मध्यप्रदेश में चलाना चाहती हैं। कर्नाटक में कांग्रेस को अप्रत्याशित सफलता मिली थी। इसको ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश भाजपा काफी सजग हो गई है। भाजपा ऐसा कोई मौका नहीं छोड़ना चाहती है। जिसका लाभ कांग्रेस को मिले। भाजपा इस मामले में काफी आक्रमक हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कांग्रेस नेताओं को घेरने के लिए 41 जिलों में आपराधिक मुकदमा दर्ज करा दिया। इस कार्रवाई के बाद एक संभावना यह भी व्यक्त की जाने लगी है, कि भाजपा अनजाने में कांग्रेश को राजनीतिक फायदा तो नहीं पहुंचा रही है? एक स्थान पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होता, तो यह मामला इतना तूल नहीं पकडता। एक साथ तीन दर्जन से ज्यादा स्थानों पर जो एफआईआर कराई गई है। इसका राजनीतिक लाभ निश्चित रूप से कांग्रेस को मिलेगा। जो जन धारणा बनेगी, वह यह होगी कि चुनाव के पहले सरकार कांग्रेस नेताओं को आपराधिक मामलों में फंसाकर सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस चाहती है, कि उसके नेताओं के ऊपर इस तरीके के प्रकरण दायर हों। आम जनता के बीच, जो बात कांग्रेस नहीं पहुंच पा रही थी। उसे सत्तारुड़ दल भाजपा खुद पहुंच रहा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है, प्रदेश में भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी चरम सीमा पर है। आम आदमी भी भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी से परेशान है। जनता को भी यह विश्वास होने लगा है,कि सरकार अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए कांग्रेस नेताओं पर जबरदस्ती आपराधिक प्रकरण दर्ज कराकर, उन्हें डराने, धमकाने और प्रताड़ित करने का काम कर रही है। भाजपा इस मामले को जितना तूल देगी। इसका फायदा कांग्रेस को ही मिलेगा। जनता जो देख और महसूस कर, भोग भी रही है। उससे वह दूर कैसे हो सकती है। कांग्रेस के आरोपों पर भी अब आम जनता को विश्वास होने लगा है। कांग्रेस को तो पहले ही भ्रष्ट पार्टी मान लिया गया है। अब इस दौड़ में भाजपा भी शामिल होती जा रही है। भाजपा संगठन जिस तरह से कांग्रेस के ऊपर आरोपों की झड़ी लगाकर कांग्रेस का प्रचार प्रसार कर रही है। उसमें भाजपा यह भूल जाती है, कि पिछले साढे 18 साल से उसका ही सरकार है। ऐसी स्थिति में भाजपा जिन मामलों को लेकर कांग्रेस को घेर रही है। उन मामलों में अब भाजपा की सरकार खुद भी घिर रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भाजपा को सोच समझकर अपनी चुनावी रणनीति तैयार करनी होगी। अन्यथा जिस तरह की पब्लिसिटी भाजपा संगठन द्वारा कांग्रेस की जा रही है। उसमें कांग्रेस का नुकसान कम होगा, भाजपा को ज्यादा नुकसान होने की संभावना दिखने लगी है। इसमें भाजपा को विशेष रूप से सतर्क रहना होगा।

हजारों साल पुराना है काशी विश्वनाथ मंदिर

वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद मामला काफी तूल पकड़ चुका है। ज्ञानवापी मस्जिद में हुए सर्वे और वीडियोग्राफी के विवाद ने काफी सालों पुराने विध्वंस गाथाओं को पुनः जन्म दे दिया है। इस मामले के कारण उन सभी अवधारणाओं के आधार पर दावे किए जा रहे हैं कि यहां विश्वनाथ मंदिर तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हुआ। पौराणिक मान्यताओं की माने तो काशी विश्वनाथ मंदिर का इतिहास युगो-युगांतर से है। विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। भगवान शिव का यह मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में गंगा नदी के किनारे स्थित है। काशी विश्वनाथ मंदिर को विश्वेश्वर नाम से भी जाना है। विश्वेश्वर शब्द का अर्थ होता है 'ब्रह्मांड का शासक'। यह मंदिर पिछले कई हजार वर्षों से वाराणसी में स्थित है। मुगल शासकों द्वारा कई बार ध्वस्त किये गए काशी विश्वनाथ मंदिर हिंदू धर्म का प्रतीक और पावन मंदिरो में से एक माना जाता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण

विश्वनाथ मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना माना जाता है। ये मंदिर गंगा नदी के पश्चिमी तट पर है. कहा जाता है कि इस मंदिर का दोबारा निर्माण 11 वीं सदी में राजा हरीशचन्द्र ने करवाया था। 1194 ईसवी में मुहम्मद गौरी ने इसे ध्वस्त कर दिया था। परंतु मंदिर का पुन निर्माण करवाया गया लेकिन 1447 ईसवी में इसे एक बार फिर जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने तुड़वा दिया। इतिहास के पन्नों में झांकने पर यह ज्ञात होता है कि काशी मंदिर के निर्माण और तोड़ने की घटनाएं 11वीं सदी से लेकर 15वीं सदी तक चलती रही।

औरंगजेब ने कराया मंदिर ध्वस्त

1585 में राजा टोडरमल की मदद से पंडित नारायण भट्ट ने विश्वनाथ मंदिर का एक बार फिर से निर्माण करवाया लेकिन एक बार फिर 1632 में शाहजंहा ने मंदिर का विध्वंस करने के लिए अपनी सेना भेजी लेकिन सेना अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाई। इसके बाद औरंगजेब ने 18 अप्रैल 1669 में इस मंदिर को ध्वस्त करा दिया।

1780 में करवाया था मौजूदा मंदिर का पुनः निर्माण

इसके बाद करीब 125 साल तक वहां कोई मंदिर नहीं था। वर्तमान में जो बाबा विश्वनाथ मंदिर स्थित है उसका निर्माण महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1780 में करवाया था। बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने 1853 में 1000 किलोग्राम सोना दान दिया था। इस मंदिर में दर्शन करने के लिए आदि शंकराचार्य, संत एकनाथ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि दयानंद, गोस्वामी तुलसीदास भी आए थे।

सनातन धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्रावण मास में भगवान शिव व माता पार्वती की उपासना करने से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि श्रावण में साधक को सभी 12 ज्योतिर्लिंग का स्मरण करके भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में प्रसिद्द द्वादश ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, जिनके दर्शन के लिए न केवल देशभर से बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्त आते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग के स्थापना की कहानी

काशी की बात हो और काशी विश्वनाथ मंदिर की बात न हो, ऐसा कैसे हो सकता है. भगवान शिव का यह मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में गंगा नदी के किनारे स्थित है. काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है. इस मंदिर को विश्वेश्वर नाम से भी जाना है. इस शब्द का अर्थ होता है ब्रह्माड का शासक.

विश्वनाथ मंदिर में ज्योतिर्लिंग की स्थापना

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, भगवान शिव देवी पार्वती से विवाह करने के बाद कैलाश पर्वत आकर रहने लगे. वहीं देवी पार्वती अपने पिता के घर रह रही थीं जहां उन्हें बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था. देवी पार्वती ने एक दिन भगवना शिव से उन्हें अपने घर ले जाने के लिए कहा. भगवान शिव ने देवी पार्वती की बात मानकर उन्हें काशी लेकर आए और यहां विश्वनाथ-ज्योतिर्लिंग के रूप में खुद को स्थापित कर लिया. इस मंदिर का उल्लेख महाभारत और उपनिषदों में भी है. इस मंदिर का निर्माण किसने कराया इसके बारे में पुख्ता जानकारी नहीं है. साल 1194 में मुहम्मद गौरी ने इस मंदिर को लूटने के बाद इसे तुड़वा दिया था. इस मंदिर का निर्माण फिर से कराया गया लेकिन जौनपुर के सुल्तान महमूद शाह ने इसे दोबारा तुड़वा दिया. इतिहासकारों के मुताबिक विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार अकबर के नौरत्नों में से एक राजा टोडरमल ने कराया था. उन्होंने साल 1585 में अकबर के आदेश पर नारायण भट्ट की मदद से इसका जीर्णोद्धार कराया.

काशी विश्वनाथ मंदिर कब खुलता है

काशी विश्वनाथ मंदिर सुबह 2 बजकर 30 मिनट पर खुलता है. यहां प्रतिदिन पांच बार भगवान शिव की आरती होती है. पहली आरती सुबह 3 बजे और आखिरी आरती रात 10.30 बजे की जाती है.

विश्वनाथ मंदिर से जुड़े रोचक तथ्य

- ऐसा माना जाता है कि वाराणसी शहर भगवान शिव के त्रिशूल पर टिका हुआ है.
- काशी विश्वनाथ मंदिर को सोने का मंदिर भी कहा जाता है. मंदिर के गुंबद को सोने का बनाया गया है. जिसके लिए पंजाब के महारड रणजीत सिंह ने सोना दान में दिया था.
- ऐसी मान्यता है कि पवित्र नदी गंगा में स्नान करके काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है.
- मंदिर के गर्भगृह में मंडप और शिवलिंग है.यह चांदी की चौकोर वेदी में स्थापित हैं. वहीं मंदिर परिसर में कालभैरव, भगवान विष्णु और विरूपाक्ष गौरी के भी मंदिर हैं.
- ऐसा माना जाता है कि जब पृथ्वी का निर्माण हुआ तो सूर्य की पहली किरण काशी पर ही पड़ी थी.
- इस मंदिर के दर्शन के लिए आदि शंकराचार्य, संत एकनाथ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि दयानंद और गोस्वामी तुलसीदास भी आए.
- यह मंदिर 15.5 मीटर ऊंचा है.

रक्षाबंधन पर बहन को भूलकर भी न दें ऐसे गिफ्ट, रिश्तों में आ सकती है दूरी...

इस साल यानी की वर्ष 2023 में दो दिन रक्षाबंधन मनाया जा रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि 30 अगस्त को पूर्णिमा तिथि पड़ रही है। लेकिन 30 अगस्त को भद्रा का साया रात के 9 बजे तक बना रहेगा। ऐसे में या तो राखी 9 बजे के बाद से बांधनी शुभ मानी जाएगी या फिर 31 अगस्त को राखी बांधनी शुभ मानी जाएगी। बता दें कि राखी बांधने का मुहूर्त काफी मायने रखता है। वहीं इस त्योहार से जुड़ी कुछ अहम बातें भी हैं। इन्हीं में से एक बात है कि रक्षाबंधन के दिन जब भाई को बहन द्वारा राखी बांधी जाती है, तो भाई अपनी बहन को कुछ उपहार देता है। लेकिन बहन को गिफ्ट देते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि गिफ्ट का व्यक्ति के प्रभाव पर पड़ता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि रक्षाबंधन पर बहन को किस तरह का गिफ्ट देने से बचना चाहिए।

गिफ्ट न करें काले कपड़े

अगर आप भी रक्षाबंधन पर अपनी बहन को काले कपड़े गिफ्ट करना चाहते हैं, तो इस रंग की जगह किसी अन्य रंग के कपड़े गिफ्ट कर दें।

बता दें कि काला रंग नकारात्मकता को बढ़ावा देता है। इसलिए उपहार के तौर पर काले रंग के कपड़े न दें।

बहन को न दें जूते-सैंडल

घर की बेटी को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। ऐसे में अपनी बहन को गिफ्ट के तौर पर जूते-चप्पल व सैंडल न दें। वास्तु के अनुसार, बहन को जूते-चप्पल या सैंडल गिफ्ट करने से रिश्ते में दूरी आने लगती है।

बहन को न दें रुमाल

वास्तु के मुताबिक बहन को इस दिन गिफ्ट के तौर पर रूमाल न दें। इससे कष्ट मिलता है।

इसलिए आप भी रुमाल और स्कार्फ आदि गिफ्ट करने से बचें।

बहन को न दें शीशा

वास्तु के अनुसार, शीशे को उपहार के रूप में देना सबसे बड़ी गलती माना जाता है।

शीशा गिफ्ट में देने से मन में बुरे विचार आते हैं। इसलिए बहन को शीशा गिफ्ट न करें।

बहन को न दें घड़ी

अगर आप बी रक्षाबंधन पर अपनी बहन को घड़ी गिफ्ट करने की सोच रहे हैं। तो ऐसा करने की गलती न करें।

वास्तु के मुताबिक किसी को घड़ी को गिफ्ट के तौर पर देना बुरे वक्त के शुरू होने का संकेत माना जाता है।

काशी विश्वनाथ से जुड़ी 7 बातें

गंगा नदी के तट पर बसा पवित्र शहर वाराणसी, हिंदू समुदाय के लिए एक अत्यंत पूजनीय स्थान है। हिंदू पौराणिक कथाओं में पवित्र माने जाने वाला वाराणसी ऊर्फ काशी की तीर्थयात्रा भक्तों के लिए अत्यधिक पूजनीय है। काशी विश्वनाथ मंदिर पवित्र वाराणसी के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है, जो पूरे भारत से हर साल बहुत सारे पवित्र भक्तों को आकर्षित करता है।

कई बार लूटा गया मंदिर

मुगलों के काल में काशी विश्वनाथ मंदिर को कई बार लूटा गया था। हालांकि मुगल सम्राट अकबर ने मूल मंदिर के निर्माण की अनुमति दी थी, लेकिन उनके परपोते औरंगजेब ने बाद में मंदिर को नष्ट कर दिया और वहां एक मस्जिद का निर्माण किया। जिसका नाम ज्ञानवापी मस्जिद है। वर्तमान में बना मंदिर का निर्माण इंदौर की रानी महान रानी अहिल्या बाई होल्कर ने करवाया था।

रानी के सपने में आए थे भगवान शिव

जैसा की हमने बताया रानी अहल्या बाई होल्कर द्वारा इस मंदिर का निर्माण किया गया था। ऐसा माना जाता है कि रानी के सपने में भगवान शिव प्रकट हुए थे। रानी ने इसे मंदिर का पुनर्निर्माण करके और इसके लिए धन प्रदान करके काशी की महिमा को बनाए रखने के लिए इसका निर्माण किया गया। यहां तक कि इंदौर के महाराजा रणजीत सिंह ने भी 15.5 मीटर खंभों के चार सोने के निर्माण के लिए लगभग टन सोने का योगदान दिया था।

आक्रमण से बचने के लिए छुपा दिया गया था शिवलिंग

ऐसा कहा जाता है कि जब औरंगजेब द्वारा विनाश की खबर पंडित के कानों में पड़ी तो उन्होंने शिवलिंग को छिपाने और आक्रमण से बचाने के लिए कुएं में छलांग लगा दी। मंदिर और मस्जिद के अवशेषों के बीच अभी भी कुआं पाया जा सकता है। इस कुएं को ज्ञानवापी यानी ज्ञान के कुएं के नाम से जाना जाता है।

काशी वो जगह जहां पड़ी थी सूर्य की पहली किरण

ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी के निर्माण के दौरान सूर्य की पहली किरण काशी यानी वाराणसी पर पड़ी थी। भगवान शिव को स्वयं इस शहर और यहां रहने वाले लोगों के संरक्षक के रूप में जाना जाता है क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि भगवान स्वयं कुछ समय के लिए मंदिर में रहे थे। उनकी मर्जी के बिना ग्रह भी अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकते। इसलिए काशी को शिव की नगरी के नाम से जाना जाता है।

मंदिर के बाहर शनि देव के मंदिर बनने का कारण

शनि देव को भगवान शिव की तलाश में काशी में प्रवेश करना था। लेकिन उन्हें मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी, इसलिए उन्हें शिव की तलाश में मंदिर के बाहर साढ़े सात साल तक रहना पड़ा। यही कारण है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर आपको शनिदेव का मंदिर देखने को मिल जाएगा।

मंदिर के शीर्ष पर छत्र के दर्शन से होती हैं इच्छाएं पूरी

मंदिर के शीर्ष पर आप एक सुनेहरा छत्र देख सकते हैं, जिसकी आकर्षक वास्तुकला देखने लायक होती है। माना जाता है कि छत्र के दर्शन करने से आपकी हर मनोकामना पूरी होती है। छत्र को मंदिर के समान ही पवित्र माना जाता है।

पृथ्वी का अंत आने पर भगवान शिव करेंगे रक्षा

एक और चौंकाने वाला तथ्य जो आपको हैरान कर देगा कि ऐसा माना जाता है कि जब पूरी दुनिया अपने अंत के करीब होगी, बाबा विश्वनाथ यानी भगवान शिव अपने त्रिशूल की नोक पर काशी की रक्षा करेंगे। साथ ही, काशी की रक्षा करने के इस कृत्य का उल्लेख हिंदू पौराणिक कथाओं में उर्ध्वमनय के रूप में किया गया है।

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग

कुंभकर्ण के पुत्र की वजह से हुई भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग की स्थापना

सावन माह में शिवजी की पूजा और उनके मंदिरों में दर्शन करने की परंपरा है। शिवजी के भक्त इस माह में अपने सामर्थ्य और समय के अनुसार ज्योतिर्लिंगों के दर्शन भी करते हैं। बारह ज्योतिर्लिंगों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का छठा स्थान है। ये ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पुणे से करीब 110 किमी दूर सहाद्रि नामक पर्वत पर है। मान्यता है कि इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना कुंभकर्ण के पुत्र भीम की वजह से हुई है।

ज्योतिर्लिंग की कथा

मंदिर में प्रचलित कथा के अनुसार त्रेता युग में रावण का भाई कुंभकर्ण कर्कटी नाम की एक महिला पर मोहित हो गया और उससे विवाह कर लिया। विवाह के बाद कुंभकर्ण लंका लौट आया, लेकिन कर्कटी अपने क्षेत्र में ही रुक गई थी। कुछ समय बाद कर्कटी ने एक पुत्र को जन्म दिया। इसका नाम भीम रखा गया। जब श्रीराम ने कुंभकर्ण का वध कर दिया तो कर्कटी ने अपने पुत्र को देवताओं के छल से दूर रखने का निर्णय किया और वहां से दूर चली गई। जब भीम बड़ा हुआ तो उसे अपने पिता कुंभकर्ण की मृत्यु का कारण पता चला। तब उसने देवताओं से बदला लेने का निश्चय कर लिया। भीम ने ब्रह्माजी की तपस्या की और उनसे बहुत ताकतवर होने का वरदान प्राप्त कर लिया।

उस समय कामरूपेश्वप नाम के एक राजा शिवजी के भक्त थे। एक दिन भीम ने राजा को शिवलिंग की पूजा करते हुए देखा। भीम ने राजा से कहा कि शिव को छोड़कर मेरी पूजा करो। राजा के ये बात नहीं मानी तो भीम ने उन्हें बंदी बना लिया। राजा कारागार में ही शिवलिंग बना कर उसकी पूजा करने लगा। जब भीम ने ये देखा तो उसने अपनी तलवार से राजा के बनाए शिवलिंग को तोड़ने का प्रयास किया, तभी वहां शिवजी प्रकट हुए और उन्होंने भीम का संहार कर दिया।

वहां सभी देवता प्रकट हुए और उन्होंने शिवजी से वहीं वास करने का निवेदन किया। शिवजी ने सभी की प्रार्थना स्वीकार की और ज्योति स्वरूप में वहां स्थापित हो गए। इस स्थान पर भीम से युद्ध करने की वजह से इस ज्योतिर्लिंग का नाम भीमाशंकर पड़ गया।

मंदिर की खास बातें

भीमशंकर मंदिर के शिखर का निर्माण कई प्रकार के पत्थरों से किया गया है। यह मंदिर नागर शैली में बना हुआ है। मंदिर में कहीं-कहीं इंडो-आर्यन शैली भी देखी जा सकती है। यहां माता पार्वती का मंदिर भी है। जिसे कमलजा मंदिर कहा जाता है। मान्यता है कि इसी स्थान पर देवी ने राक्षस त्रिपुरासुर से युद्ध किया था। युद्ध के बाद ब्रह्माजी ने देवी पार्वती की कमल के फूलों से पूजा की थी। मंदिर के पास ही कई कुंड भी हैं। यहां मोक्ष कुंड, सर्वतीर्थ कुंड, ज्ञान कुंड, और कुषारण्य कुंड नाम के कुंड हैं।

भीमाशंकर मंदिर में आरती और अन्य अनुष्ठान की समय

मंदिर खुलने का समय - सुबह 4.30 बजे

मंगल आरती - सुबह 4.45 से 5.00 बजे

निजारुप (मूल शिवलिंग) का दर्शन - सुबह 5.00 बजे से 5.30 बजे तक

सामान्य दर्शन और अभिषेक - सुबह 5.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक

नैवेद्य पूजा - दोपहर 12.00 बजे से 12.30 बजे तक (इस समय अभिषेक नहीं किया जाता है)

मध्यान्ह आरती - दोपहर 3.00 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक

श्रृंगार दर्शन - दोपहर 3.30 से रात 9.30 तक

संध्या आरती - शाम 7.30 से 8.00 बजे तक

मंदिर बंद - रात्रि 9.30

नोट - मंदिर में सोमवार के प्रदोषम, अमावस्या, ग्रहण, महाशिवरात्रि के दौरान दर्शन नहीं कराये जाते। कार्तिक और श्रवण महीने के दौरान मुकुट और श्रृंगार दर्शन नहीं कराये जाते

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग दर्शन

हरियाली भरे रास्ते से गुजरते हुए, खूबसूरत पहाड़ियों के सौन्दर्य का लुफ्त उठाते आपको पता ही नही लेगा की कब भीमा शंकर आ गया। भीमाशंकर पहुचने बाद आपको मंदिर कहीं भी दिखाई नही देगा। मंदिर जाने के लिए प्रवेशद्वार से 250 सीढियाँ उतरने के बाद मंदिर दिखता है। भीमेश्वर मंदिर पहुँचने पर आपको लाइन में लगना है। कई बार लोग दर्शन लाइन में गपशप करने लगते है। आप उन पर ध्यान न दे, मन ही मन में ऊँ नमः शिवाय का जप करते रहे। रास्ते में आप को टीवी स्क्रीन नजर आयेगी, उसमे श्री भीमेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करते रहें। कुछ देर आप गर्भगृह के सामने पहुँच जायेंगे। शिवलिंग को दिनभर चांदी के कवच से ढ़ाक कर रखा जाता है। सुबह 5.00-5.30 बजे यह कवच हटाया जाता है तभी आप मूल शिवलिंग का दर्शन कर पाते है।

भीमाशंकर मंदिर के घंटे की विशेषता

मंदिर के सामने एक खूबसूरत विशाल घंटा लगा हुई हैं। ये घंटा महान हिंदू पराक्रम का प्रतीक है मराठा इतिहास के अनुसार, अद्भुत दिखने वाला ये घंटा पुर्तगालियों के चर्च का है। बालाजी विश्वनाथ के बेटे और बाजीराव के छोटे भाई वीर चिमाजी बसाई के किले में पुर्तगालियों को पराजित करके वहाँ के चर्च से यह घंटा लाये थे। इस घंटे में जीसस के साथ मदर मैरी की मूर्ति बनी है और 1727 लिखा हुआ है। इस घंटे को महाराष्ट्र में पेशवाओं के काल के प्रसिद्ध राजनेता नाना फड़नविस ने लगवाया था और सभामंडप और शिखर बनवाकर मंदिर को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया था।

अप्रैल-जून में बिजली उत्पादन 1.3 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । देश के बिजली उत्पादन में 2023 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.3 फीसदी की हल्की बढ़ोतरी हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17.1 फीसदी था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार बिजली उत्पादन इस साल मार्च में 1.6 प्रतिशत और अप्रैल में 1.1 प्रतिशत कम हुआ है। बिजली उत्पादन मई में 0.9 प्रतिशत और जून में 4.2 फीसदी बढ़ा। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून में बिजली उत्पादन 1.3 फीसदी बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 17.1 फीसदी था। उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण बिजली उत्पादन, मांग और खपत प्रभावित हुई, जिसके कारण एयर कंडीशनर जैसे उपकरणों का कम उपयोग हुआ। आंकड़ों के मुताबिक बिजली उत्पादन जनवरी में 12.7 फीसदी और इस साल फरवरी में 8.2 फीसदी बढ़ा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई के बाद बिजली उत्पादन में सुधार होगा। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के ताजा आंकड़ों से पता चला है कि इस साल जुलाई में बिजली की खपत 6.4 फीसदी बढ़कर 136.44 अरब यूनिट हो गई, जो 2022 के इसी महीने में 128.25 अरब यूनिट थी।

डेलॉयट ने अडाणी की कंपनी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । डेलॉयट ने अडाणी समूह की बंदरगाह कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के अंकेक्षण से इस्तीफा दे दिया है। एक रिपोर्ट में चिह्नित कुछ लेनदेन पर डेलॉयट के चिंता जताने के कुछ सप्ताह बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने डेलॉयट के कामकाज छोड़ने और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स की नए ऑडिटर के तौर पर नियुक्ति की पुष्टि की है। डेलॉयट 2017 से एपीएसईजेड की ऑडिटर थी। जुलाई 2022 में इसे पांच और साल का कार्यकाल दिया गया था। एपीएसईजेड ने कहा` कि एपीएसईजेड प्रबंधन और इसकी ऑडिट समिति के साथ डेलॉयट की हालिया बैठक में, डेलॉयट ने अन्य सूचीबद्ध अडाणी पोर्टफोलियो कंपनियों के ऑडिटर के रूप में व्यापक ऑडिट भूमिका कटौती का संकेत दिया। ऑडिट समिति का विचार है कि ऑडिट कामकाज छोड़ने के लिए डेलॉयट ने जो कारण बताए हैं, वे ठोस या पर्याप्त नहीं हैं। हिंडनबर्ग ने इस साल 24 जनवरी को अपनी रिपोर्ट में अडाणी समूह पर धोखाधड़ी, शेयरों में गड़बड़ी और काले धन को के आरोप लगाये थे। साथ ही संबद्ध पक्षों के बीच लेन-देन की बात कही थी।अडाणी समूह ने सभी आरोपों को आधारहीन बताया था। डेलॉयट का कहना था कि अडाणी समूह ने इन आरोपों की जांच स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से कराना जरूरी नहीं समझा। इसका कारण उनका अपना आकलन तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की जारी जांच है। कंपनी ने अडाणी पोर्ट्स के वित्तीय ब्योरे में कहा था कि समूह की तरफ से किया गया मूल्यांकन हमारे ऑडिट के उद्देश्यों के लिए पर्याप्त उचित साक्ष्य उपलब्ध नहीं करता है।

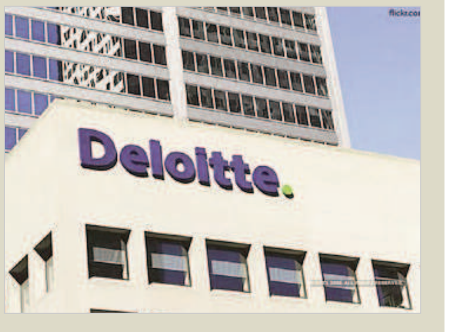

फॉक्सकॉन ने तेलंगाना में अपना निवेश प्रस्ताव बढ़ाया

नई दिल्ली ।

फिट होंग टेंग लिमिटेड (फॉक्सकॉन) के निदेशक मंडल ने तेलंगाना में 40 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी प्रदान कर दी है। फॉक्सकॉन इंडिया के प्रतिनिधि वीली ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। कंपनी पहले ही भारत में 15 करोड़ डॉलर के निवेश को मंजूरी दे चुकी है। इस तरह उसका कुल प्रस्तावित निवेश बढ़कर 55 करोड़ डॉलर हो गया है। ताईवान की फॉक्सकॉन एप्पल की सबसे बड़ी आपूर्तिकर्ता है। फॉक्सकॉन ने हांगकांग शेयर बाजार को बताया` कि फिट सिंगापुर ने चांग यी इंटरकनेक्ट टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 40 करोड़ डॉलर का पूंजी निवेश करने का प्रस्ताव दिया है। इस कंपनी की 99.99 प्रतिशत पूंजी हिस्सेदारी फिट सिंगापुर के पास है। वीली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा कि हम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं, तेलंगाना! 40 करोड़ डॉलर की एक और खेप आ रही है। वीली की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने ट्वीट किया कि नया निवेश प्रस्ताव पहले से ही प्रतिबद्ध 15 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त है। रामाराव ने एक्स पर ट्वीट किया। फॉक्सकॉन ग्रुप के साथ हमारी दोस्ती दृढ़ बनी हुई है। हम सभी आपसी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहे हैं। कुल 55 करोड़ डॉलर (पिछले 15 करोड़ डॉलर को जोड़कर) के निवेश के साथ, फिट तेलंगाना में अपने वादों को पूरा करने के लिए तैयार है। यह एक बार फिर तेलंगाना की गति को साबित करता है।

आईएमएफ श्रीलंका के लिए राहत पैकेज की समीक्षा सितंबर में करेगा

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) श्रीलंका को प्रस्तावित 2.9 अरब डॉलर के राहत पैकेज के लिए समीक्षा 11-19 सितंबर को करेगा। वित्त राज्यमंत्री रंजीत सियाम्बलपतिया ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीलंका ने आईएमएफ की नौ शर्तों को पूरा कर लिया है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम होने के बाद द्वीपीय देश अपने बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में जनता पिछले साल ईंधन, उर्वरक के साथ-साथ अन्य जरूरी वस्तुओं की कमी होने के कारण सड़कों पर उतर आई थी। देश को सितंबर तक अपने बाहरी और घरेलू ऋण पुनर्गठन को अंतिम रूप देना है। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस साल मार्च में दिए गए 2.9 अरब डॉलर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा करेगा। सियाम्बलपतिया ने कहा, आठ दिवसीय समीक्षा 11 से 19 सितंबर तक होनी है। समीक्षा में केंद्रीय बैंक, वित्त मंत्रालय और वित्त मंत्री शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें इससे पहले नौ शर्तें पूरी करनी थीं, जो हमने सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इस व्यवस्था के तहत 2027 तक आठ किश्तों में धनराशि जारी की जानी है। उन्होंने कहा कि सितंबर की समीक्षा के बाद श्रीलंका को लगभग 35 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराए जाएंगे।

सरकार पांच नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देगी

- वाणिज्य मंत्रालय ने नीति आयोग से मांगे सुझाव

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने चाय और तंबाकू जैसी पांच नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के मसौदे पर अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग से सुझाव मांगे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय ने चाय, कॉफी, मसाले, रबर और तंबाकू की नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के लिए अलग-अलग सुझाव मांगे हैं। इन विधेयकों का मकसद नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देना और व्यवसायों के लिए अनुकूल माहौल बनाना है। सलाह लेने के बाद वाणिज्य मंत्रालय इन विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास मंजूरी के लिए भेजेगा। इनके नाम मसाला (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, रबर (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, कॉफी (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक, चाय (प्रोमोशन एंड डेवलपमेंट) विधेयक और तंबाकू बोर्ड (संशोधन) विधेयक हैं। वाणिज्य विभाग ने 2022 में इन क्षेत्रों के दशकों पुराने कानूनों को निरस्त करने और उनके विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए नए कानून लाने का प्रस्ताव रखा था। अधिकारी ने कहा, इससे पहले नीति आयोग ने इन पांच विधेयकों पर मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे उठाए थे। अब सभी मुद्दों का समाधान हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने चिंताओं को दूर करने के लिए इन मसौदा विधेयकों पर हितधारकों से विचार-विमर्श किया था। वाणिज्य विभाग चाय अधिनियम, 1953, मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986, रबर अधिनियम, 1947, कॉफी अधिनियम, 1942 और तम्बाकू बोर्ड अधिनियम, 1975 का अपडेशन को निरस्त करने का प्रस्ताव किया है।

(शेयर बाजार समीक्षा)

वैश्विक रुझानों पर रहेगी बाजार की नजर

– डॉलर के मुकाबले रुपए का रुख भी शेयर बाजारों को प्रभावित करेगा

नई दिल्ली ।

इस बार छुट्टियों वाले छोटे सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार की चाल मुद्रास्फीति के आंकड़े, वैश्विक रुझानों और विदेशी कोषों के रुख से प्रभावित होगी। मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 365.53 अंक की गिरावट के साथ 65,322.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 413.57 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 114.80 अंक की गिरावट के साथ 19,428.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक और टाटा मोटर्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। बाजार के जानकारों का कहना है कि आने वाले दिनों में बाजार के रुझान को तय करने में व्यापक आर्थिक संकेत, रुपए की चाल और एफआईआई की गतिविधियां महत्वपूर्ण होंगी। घरेलू स्तर पर मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक स्तर पर जापान के मुद्रास्फीति के आंकड़े, चीन के आईआईपी के आंकड़े और अमेरिकी खुदरा बिक्री पर ध्यान दिया जाएगा। जुलाई के लिए थोक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। बाजार के विशवेषज्ञों ने कहा कि आने वाले दिनों में भारत के डब्ल्यूपीआई और सीपीआई मुद्रास्फीति के आंकड़ों, निर्यात और आयात के आंकड़ों पर नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञ का कहना है

कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में रहेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान कॉपर और आईटीसी अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगे। डॉलर के मुकाबले रुपए का रुख और वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की चाल भी शेयर बाजारों में कारोबार को प्रभावित करेगी।इसके अलावा प्रमुख वैश्विक घटनाएं, जिसका अगले सप्ताह बाजार पर असर रहेगा उनमें चीन का औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी खुदरा बिक्री, कच्चे तेल का भंडार, बिल्डिंग परमिट, प्रारंभिक बेरोजगार दावे, फेड रिज़र्व की एफओएमसी बैठक, ब्रिटेन में बेरोजगारी दर, खुदरा महंगाई, खुदरा बिक्री, यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के जारी होने वाले आंकड़े हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में बना रहेगा और आरबीआई के फैसले, अमेरिकी रोज़गार आंकड़े और एफओएमसी बैठक के मिनट्स से आगे का संकेत मिलेगा।

अमेरिका में 67 हजार चिप इंजीनियर होंगे कमः उद्योग संगठन

- चिप इंडस्ट्री में वर्कफोर्स इस वर्ष लगभग 345,000 है

नई दिल्ली ।

अमेरिका के सेमीकंडक्टर उद्योग को साल 2030 तक लगभग 67,000 चिप इंजीनियरों की कमी हो सकती है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन (एसआईए) और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की ओर से कराए गए अध्ययन में यह दावा` किया है। अध्ययन के अनुसार चिप इंडस्ट्री में वर्कफोर्स इस वर्ष लगभग 345,000 है जिसके दशक के अंत तक बढ़कर 460,000 हो जाने का अनुमान है। हालांकि जिस दर से स्कूलों से स्नातक निकल रहे हैं, उसे देखते हुए साफ है कि अमेरिका चिप इंडस्ट्री में होने वाली इस वृद्धि को पूरा करने के लिए पर्याप्त योग्य पेशेवर पैदा नहीं कर पाएगा। रिपोर्ट के अनुसार कुशल चिप पेशेवरों की कमी अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित स्नातकों की बड़ी कमी का हिस्सा है। 2023 के अंत तक 14 लाख पद खाली रह सकते हैं। यह अध्ययन ऐसे समय आया है जब अमेरिका अपने घरेलू चिप सेक्टर को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए 9 अगस्त को चिप अधिनियम भी लागू किया जा चुका है। इसमें नई विनिर्माण साइटों और अनुसंधान व विकास के लिए अलग से फंडिंग का प्रावधान है।

अधिनियम के तहत वाणिज्य विभाग ने 39 बिलियन डॉलर की विनिर्माण सब्सिडी का ऐलान किया है। इंटेल, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कंपनियों ने कहा है कि वे इस सब्सिडी के लिए आवेदन करेंगी। कानून ने नई चिप फैक्ट्रियों के निर्माण के लिए 24 बिलियन डॉलर का निवेश कर क्रेडिट भी तैयार किया है। एसआईए का कहना है कि ये नई फैक्ट्रियां नई नौकरियां पैदी करेंगे लेकिन कंप्यूटर वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन की कमी हो सकती है। भविष्य में चिप उद्योग की लगभग आधी नौकरियां इंजीनियर की होंगी। एसआईए के अध्यक्ष जॉन नेफर ने कहा कि यह ऐसी समस्या है जिसका हम लंबे समय से सामना कर रहे हैं लेकिन चिप्स अधिनियम के बाद काफी राहत मिली है।

ओएनजीसी का मुनाफा कम उत्पादन के कारण 34 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली । तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 34 प्रतिशत कम हो गया है। तेल की कीमतों में गिरावट और कम उत्पादन की वजह से मुनाफे में कमी हुई। कंपनी ने कहा कि जून तिमाही में उसका मुनाफा 10,015 करोड़ रुपए रह गया, जबकि बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 15,206 करोड़ रुपए था। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की भारत की सबसे बड़ी उत्पादक ओएनजीसी ने पिछले साल कच्चे तेल पर प्रति बैरल 76.49 डॉलर कमाए, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह आंकड़ा 108.55 डॉलर प्रति बैरल था। तेल की कीमतें जून, 2022 तिमाही में दुनियाभर में तेजी से बढ़ी थीं, जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद आपूर्ति एवं मांग में अनिश्चितता आ गई थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का सकल राजस्व 20 प्रतिशत घटकर 33,814 करोड़ रुपए हो गया। ओएनजीसी ने कहा कि इस दौरान कच्चे तेल का उत्पादन 3.2 प्रतिशत घटकर 46 लाख टन रह गया, वहीं गैस उत्पादन 3.3 प्रतिशत गिरकर 5.04 अरब घन मीटर रहा।

तेल तिहलन बाजार में मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को कारोबार का मिला-जुला रुख रहा। एक ओर सस्ते आयातित तेलों की भरमार के कारण जहां सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखी गई, वहीं मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन, पामोलीन और बिनौला तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं। बेकरी वालों की मांग के कारण कच्चा पामतेल (सीपीओ) कीमत में सुधार हुआ। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 5,600-5,650 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली - 7,865-7,915 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 18,850 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,735-3,020 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी- 10,500 रुपए प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी- 1,745 - 1,840 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी- 1,745 -1,855 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी - 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 10,220 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 10,020 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 8,450 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला- 8,025 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला- 8,300 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना - 5,050-5,145 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,815-4,910 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,015 रुपए प्रति क्विंटल।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की 10 कंपनियों में से सात का पूंजीकरण 74,603 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश की प्रमुख 10 कंपेनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण 74,603.06 करोड़ रुपए घट गया। इनमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 398.6 अंक की गिरावट आई। इस दौरान आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस और आईटीसी के बाजार पूंजीकरण में गिरावट हुई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और भारतीय स्टेट बैंक को लाभ हुआ। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 25,011 करोड़ रुपए घटकर 12,22,392.26 करोड़ रुपए हो गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 12,781 करोड़ रुपए घटकर 6,66,512.90 करोड़ रुपए और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,096.48 करोड़ रुपए घटकर 4,86,812.08 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का पूंजीकरण 10,396.94 करोड़ रुपए घटकर 5,87,902.98 करोड़ रुपए और आईटीसी का पूंजीकरण 7,726.3 करोड़ रुपए घटकर 5,59,159.71 करोड़ रुपए रह गया। इसके अलावा बजाज फाइनेंस और इंफोसिस का पूंजीकरण भी घटा।

दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूंजीकरण 25,607.85 करोड़ रुपए बढ़कर 17,23,878.59 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान टीसीएस और एसबीआई का पूंजीकरण भी बढ़ा।शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस रहे।

पेट्रोल और डीजल कुछ शहरों में हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 86.81 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं।

गुरुग्राम में पेट्रोल 13 पैसे सस्ता होकर 96.84 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। इसके अलावा जयपुर में पेट्रोल 47 पैसे गिरकर 108.43 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। इन दोनों शहरों में डीजल की कीमत क्रमशः 89.72 और 93.67 रुपए प्रति लीटर है। चंडीगढ़ में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 97.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

कमाई के मामले में एयरटेल के सीईओ ने कंपनी के चेयरमैन मित्तल को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

दिग्गज दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर गोपाल विट्टल ने कमाई के मामले में कंपनी के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को भी पीछे छोड़ दिया है। विट्टल ने वित्त वर्ष 2022-23 में वेतन के रूप में कुल 16.84 करोड़ रुपए की कमाई की है। गोपाल विट्टल की यह आय सुनील भारती मित्तल की सालाना वेतन 16.77 करोड़ रुपए से अधिक है। खास बात यह है कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सुनील भारती मित्तल के एनुअल पैकेज में 8.92 फीसदी की वृद्धि आई, जबकि गोपाल विट्टल की कुल वेतन में 10.39 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, टेलीकॉम कंपनी का कहना है कि पिछले साल मित्तल के वेतन में कोई बदलाव नहीं हुआ। यानि कि वित्त वर्ष 2021-22 में चेयरमैन मित्तल को जितनी सैलरी व जितने भत्ते मिल रहे थे, वित्त वर्ष 2022-23 में भी लगभग उतने ही मिलते रहे, इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सुनील भारती मित्तल का सालाना वेतन एमडी विट्टल से ज्यादा था लेकिन तब दोनों के कुल वेतन में ज्यादा अंतर नहीं था।

वित्त वर्ष 2021-22 में जहां मित्तल का कुल वेतन 15.39 करोड़ रुपए था, वहीं विट्टल को कंपनी ने वेतन के रुप में कुल 15.25 करोड़ रुपए दिए यानि कि वित्त वर्ष 2021-22 में मित्तल के वेतन के मेहनताना से महज 14 लाख रुपए ही ज्यादा थे लेकिन वित्त वर्ष 2022-23 में विट्टल वेतन के मामले में अपने चेयरमैन से आगे निकल गए। इसका मतलब वित्त वर्ष 2022-23 में विट्टल के सालाना वेतन व भत्तों में इजाफा हुआ। उनका कुल मेहनताना चेयरमैन मित्तल से ज्यादा हो गया।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत के बाद एफआईएच रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) में खिताबी जीत के बाद भारतीय हॉकी टीम रविवार को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) की नवीनतम रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। एशियाई खेलों से पहले रैंकिंग में इस सुधार से भारतीय टीम का हौसला बढ़ेगा।

भारत (2771.35 अंक) इंग्लैंड (2763.50 अंक) को पछाड़ कर एक स्थान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचा। इस रैंकिंग में नीदरलैंड (3095.90 अंक) पहले और बेल्जियम (2917.87 अंक) दूसरे स्थान पर हैं। यह दूसरी बार है जब भारत एफआईएच रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचा। भारतीय टीम ने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने के बाद यही रैंकिंग हासिल की थी।

तोक्यो में भारत ने ओलंपिक में पदक के 41 साल के सूखे को खत्म किया था। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके शनिवार को मलेशिया को 4-3 से हराकर चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीता और 23 सितंबर से होने वाले हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों का पुख्ता सबूत पेश किया। एसीटी की उपविजेता मलेशिया नौवें स्थान पर बरकरार है। इस रैंकिंग में कोरिया 11वें, पाकिस्तान 16वें स्थान पर है। टूर्नामेंट में तीसरी स्थान पर रही जापान की टीम रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गई।

जेसिका पेगुला शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को हराकर मॉन्ट्रियल ओपन के फाइनल में

मांट्रियल। (एजेंसी)। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को पराजित करकेनेशनल बैंक मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। पेगुला ने स्वियातेक की 11 बार सर्विस तोड़ी और 6-2, 6-7 (4), 6-4 से जीत दर्ज की। यह पिछले दो वर्षों में पहला अवसर है जबकि यह अमेरिकी खिलाड़ी सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में सफल रही।

बारिश के कारण कजाकिस्तान कीतीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना और रूस की 15वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा के बीच रात को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल रविवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

ये पांच खिलाड़ी टीम से हटने के बाद दुबारा ब्लू जर्सी में दिखाई नहीं दिए

-इन खिलाड़ियों के संन्यास लेने की चर्चा जोरों पर

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल शुरू होने के बाद से भारतीय क्रिकेट को जबरदस्त फायदा हुआ है। अब टीम इंडिया में जगह बनाना इतना आसान नहीं है। प्रतिस्पर्धा इतनी हैं कि प्लेइंग 11 में हर क्रम के लिए 3 से 4 क्रिकेटर पहले से तैयार हैं। इसके बाद एक बार टीम से हटने वाले क्रिकेटरों के लिए दुबारा जगह बना पाना मुश्किल होता है। आज, हम उन 5 भारतीय क्रिकेटरों की बात कर रहे हैं, जिन्होंने जब तक ब्लू जर्सी में खेला तब बहुत खेला लेकिन एक खराब प्रदर्शन के कारण जैसे ही बाहर हुए उनके वापसी के रास्ते ही बंद हो गए। अब इनके सामने रिटायरमेंट दिख रही है। सबसे पहला नाम शिखर धवन का आता हैं, उम्मीद थी कि गब्बर को एशियन गेम्स के लिए टीम इंडिया का कप्तान चुना जाना गया लेकिन उनका टीम में भी चुनाव नहीं हुआ। धवन ने भारत के लिए 167 मैचों में 6793 रन बनाए हैं जिसमें 17 शतक शामिल हैं। धवन ने 2015 और 2019 विश्व कप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 2013 चैंपियंस ट्रॉफी में वह मैन ऑफ द मैच रहे थे। 10 दिसंबर 2022 के बाद से धवन टीम में वापसी नहीं कर पाए हैं।

दूसरे नंबर पर भुवनेश्वर हैं, जिन्होंने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम से इंडियन क्रिकेटर हटाकर सभी को चौका दिया था। भुवनेवर ने भारत के लिए 21 टेस्ट, 121 वनडे और 87 ट्वेंटी 20 मैच खेले हैं। उन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ ट्वेंटी 20 में डेब्यू में पहले ही गेंद पर विकेट निकालकर चर्चा बटोरी थी। वह 22 नवंबर 2022 के बाद टीम से दूर हैं।

तीसरे खिलाड़ी हैं इशांत शर्मा, जो कि भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेलने वाले दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में उभरे। ईशांत ने आखिरी बार 29 नवंबर 2021 को मैच खेला था। उन्होंने भारत के लिए वनडे (2016) और टी20 क्रिकेट (2013) खेला था जिसे काफी साल हो गए हैं। क्योंकि टीम इंडिया के पास मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और शार्दुल ठाकुर जैसी युवा गेंदबाज हैं, इसकारण उनकी वापसी संभव ना के बराबर है।

31 साल बाद टीम इंडिया...फिर दीवाली के दिन खेलेगी मैंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने हाल ही में वर्ल्ड कप 2023 का ताजा शेड्यूल जारी किया है। नए शेड्यूल में भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले के साथ कुल 9 मैचों की तारीख में बदलाव हुआ हैं। नए शेड्यूल में भारत के दो मैचों को रिशेड्यूल किया गया है। बहुप्रतीक्षित भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला पहले 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना था, मगर सुरक्षा एजेंसियों के कहने पर मैच को एक दिन पहले यानी कि 14 अक्टूबर को कराने का फैसला हुआ है। दरअसल, 15 अक्टूबर से नवरात्रि शुरू हो रहे हैं और गुजरात में इस त्यौहार को बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है। इसकारण मैच को एक दिन पहले आयोजित करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा भारत का नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला एक दिन बाद के लिए शिफ्ट किया गया है। पहले भारत बनाम नीदरलैंड्स मैच 11 नवंबर को खेला जाना था, मगर नए शेड्यूल के अनुसार अब यह मैच 12 नवंबर को आयोजित होगा। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है, मगर गौर करने वाली बात यह है कि इन दिन दिवाली का बड़ा त्यौहार है।

आमतौर पर भारत दिवाली के शुभ दिन पर कोई क्रिकेट मैच नहीं खेलता, मगर वर्ल्ड कप होने की वजह से टीम इंडिया को इन खास दिन पर भी फैंस का मनोरंजन करना होगा। इसके बाद फैंस को मन में सवाल उठने लगे कि टीम इंडिया ने आखिरी बार दिवाली के दिन मैच कब खेला था। मगर आपके जहन में भी यही सवाल उठा रहा होगा। बता दें, भारत ने अभी तक सिर्फ दो ही बार दिवाली के खास पर्व पर मैच खेला है, वहीं इनमें से एक मैच वर्ल्ड कप का ही था। टीम इंडिया 31 साल के लंबे इंतजार के बाद दिवाली के दिन मैच खेलेगी।

दिवाली के खास पर्व पर भारतीय क्रिकेट टीम ने पहली बार 1987 वर्ल्ड कप के दौरान मैच खेला था। इस मुकाबले में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी थी और कपिल देव की अगुवाई में भारत ने कंगारुओं को 56 रनों से धूल चटाई थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया ने सुनील गावस्कर, नवजोत सिंह सिद्धू, दिलीप वेंगसरकार और मोहम्मद अजहरुद्दीन के अर्धशतकों की मदद से बोर्ड पर 289 रन लगाए थे। इस स्कोर का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 233 रनों पर सिमट गया था। मनिंदर सिंह और अजहरुद्दीन ने इस दौरान 3-3 विकेट चटकाए थे। 1992 में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी बार दिवाली के खास पर्व पर मैच खेला था। इसमें भारत जीत दर्ज करने में कामयाब रहा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ हुए एकमात्र वनडे में भारत ने मेजबानों को 30 रनों से धूल चटाई थी।

पेरिस ओलंपिक में पहुंची ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम

वांगरेई। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने रविवार को 2023 ओशिनिया कप जीतकर 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई कर लिया है। दोनों टीमों ने न्यूजीलैंड को हराकर ओलंपिक में जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में 3-1 से जीत दर्ज की, जबकि महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 3-0 से हराया। इसके साथ ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया के महाद्वीपीय चैंपियन के रूप में ओलंपिक खेलों के लिये सीधे क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गयी। फ्रांस ने मेज़बान होने के नाते 2024 खेलों के लिये क्वालीफाई किया है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने कुल मिलाकर दो जीत और एक हार के साथ छह अंक हासिल किये, जबकि महिला टीम ने दो जीत और एक ड्रॉ की बदौलत सात अंक जुटाए। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के खिलाड़ी जेक हार्वी ने कहा, 'न्यूजीलैंड ने इसे बहुत प्रतिस्पर्धी श्रृंखला बनाया, लेकिन हम ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई करके बहुत खुश हैं। खेलों से पहले हमें बहुत काम करना है, लेकिन अभी हमें उस पल का आनंद लेना होगा कि हमें ओलंपिक में एक टीम भेजने का मौका मिला है।' न्यूजीलैंड की पुरुष और महिला टीमें अब एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 खेलेंगी जहां उन्हें ओलंपिक में पहुंचने का दूसरा मौका मिलेगा। पुरुष और महिला प्रत्येक वर्ग में कुल 12 हॉकी टीमें ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगी। ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफाई करने के बाद 10 और टीमों के लिये टूर्नामेंट में जगह बाकी है।

विश्वकप में दूसरे विकेटकीपर के तौर पर ईशान को शायद ही अवसर मिले

मुम्बई। अक्टूबर नवंबर में होने वाले एकदिवयीय विश्वकप में भारतीय टीम में विकेटकीपर के तौर पर लोकेश राहुल का स्थान तय है। वहीं बैकअप के तौर पर अभी दो खिलाड़ी ईशान किशन और संजू सैमसन उपलब्ध हैं। अब देखना है कि इनमें से किस खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। मुख्य विकेटीपर के तौर पर राहुल की जगह पक्की है क्योंकि कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। राहुल अनुभवी होने के साथ ही किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। वहीं बैकअप के तौर पर सैमसन का दावा भारी है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं जबकि ईशान सलामी बल्लेबाज हैं और निचले क्रम पर वह काफी कम उतरे हैं। शुभमन गिल के रहते ईशान को पारी शुरु करने का अवसर नहीं मिलेगा और निचले क्रम पर उन्हें अधिक अनुभव नहीं है। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट सीरीज के अलावा ईशान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कभी भी मैच फिनिशर के रूप में खेलते हुए नहीं देखा गया है जबकि सैमसन लगातार इसी तरह की भूमिका निभाते आ रहे हैं। ऐसे में ईशान की जगह सैमसन की टीम में जगह बनने की संभावना अधिक नजर आ रही है। वहीं अगर ईशान को अवसर मिल भी गया तो भी उनको अंतिम ग्यारह में खेलने का अवसर शायद ही मिले। रोहित शर्मा और शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे जबकि तीसरे स्थान पर कोहली, चौथे पर अय्यर, पांचवें पर राहुल, छठवें पर पंड्या और सातवें स्थान पर जडेजा उतरते हैं। इसी कारण सैमसन की दावेदारी मजबूत नजर आ रही है।

अब क्रिकेट में भी दिखाया जाएगा लाल कार्ड, सीपीएल से होगी शुरुआत

मुम्बई (एजेंसी)। अब फुटबॉल की तरह ही क्रिकेट में भी गलती होने पर अंपायर खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर जाने का आदेश देगा। इसकी शुरुआत कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के इस सत्र से हो रही है। सीपीएल में रेड कार्ड के इस्तेमाल का एक मात्र कारण धीमी ओवर गति पर रोक लगाना है।

सीपीएल के टूर्नामेंट निदेशक माइकल हॉल ने कहा, धीमी ओवर गति के कारण टी20 मैच का समय हर साल बढ़ता जा रहा है। हमने टूर्नामेंट से पहले फ्रेंचाइजी और हमारे मैच अधिकारियों को इस बारे में ध्यान रखन को कहा था। हमें उम्मीद है कि मैच के दौरान इस तरह की पेनल्टी की जरूरत नहीं पड़ेगी पर धीमी ओवर रेट की परेशानी को अगर ठीक करना है तो फिर इस तरह की सजा देने के अलावा कोइ अन्य विकल्प नहीं है।

वर्तमान में धीमी ओवर गति के लिए केवल जुर्माने ही लगाया जाता है। धीमी ओवर गति के लिए बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के ओवर कम कर दिये जाते हैं। इसके अलावा कप्तान पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया जाता है पर इससे अब तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी धीमी ओवर गति के कारण मैचों का समय बढ़ रहा है।

नये नियम के अनुसार अगर 18वें ओवर के शुरू होने से पहले पाया जाता है कि निर्धारित समय में टीम का ओवर रेट कम है तो उसके एक खिलाड़ी को सर्कल के अंदर आना होगा। मतलब 4 की जगह कुल 5 खिलाड़ी 30 यार्ड के सर्कल के अंदर रहेंगे। वहीं अगर टीम 19वें ओवर के पहले ओवर रेट में पिछड़ती दिखी तो उसके 2 खिलाड़ियों को 30 गज के घेरे के अंदर आना होगा। इस प्रकार 4 के बजाए 6 खिलाड़ी 30 यार्ड के सर्कल के अंदर क्षेत्ररक्षण करेंगे। वहीं

अगर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम अंतिम ओवर के शुरू होने से पहले ओवर रेट में पिछड़ती पाई जाती है तो फिर उसे अपने एक खिलाड़ी के बिना ही खेलना होगा। तब क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के एक खिलाड़ी को मैदान से बाहर जाना पड़ेगा. बाहर जाने वाले खिलाड़ी का चयन बल्लेबाजी कर रही टीम का कप्तान करेगा। इसके साथ ही 6 खिलाड़ी 30 गज के दायरे के भीतर रहेंगे। इससे बल्लेबाजी करने वाली टीम को लाभ होगा।

धीम ओवर रेट को लेकर नियम सिर्फ क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को लेकर ही नहीं बने हैं। बल्लेबाजी कर रही टीम पर भी ओवर रेट को बनाये रखने की जिम्मेदारी होगी। ऐसे में बल्लेबाज समय बेकार नहीं कर पायेंगे। अगर बल्लेबाजी टीम जानबूझकर समय बर्बाद करती हुई पाई गई तो अंपायर की ओर से उन्हें पहली और अंतित चेतावनी दी जाएगी, जिसके बाद हर बार समय बर्बाद करने के लिए 5 रन का जुर्माना भी लगेगा।

फीडे विश्व कप शतरंज – चीन के वांग को हराकर गुकेश बने विश्व नंबर 7, अर्जुन भी जीते

बाकू, अजरबैजान। फीडे विश्व कप शतरंज प्री क्वाटर फाइनल के पहले क्लासिकल मुक़ाबले में भारत के डी गुकेश और अर्जुन एरिगासी नें जीत दर्ज करते हुए क्वाटर फाइनल की ओर कदम बढ़ा दिये है जबकि विदित गुजराती और हरिका द्रोणावल्ली नें अपने मुक़ाबले ड्रॉ खेले। भारत के नंबर एक खिलाड़ी 17 वर्षीय गुकेश हर दिन एक नया विश्व रिकॉर्ड बना रहे है, गुकेश नें आज चीन के अनुभवी खिलाड़ी वांग हाउ को मात देते हुए ना सिर्फ 1-0 की बढ़त बना ली है बल्कि वह अब 2761 अंको के साथ दुनिया के के सातवे नंबर के खिलाड़ी बन गए है। बड़ी बात यह है की क्वाटर फाइनल में गुकेश का सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन से हो सकता है जिन्होने आज उक्रेन के वेसली इवांचुक को मात देकर इसकी संभावना बढ़ा दी है। भारत के अर्जुन एरिगासी भी आज जीत दर्ज करने में सफल रहे उन्होने नीदरलैंड के निल्स ग्रंडेलीयूस को हराया और क्वाटर फाइनल दौड़ में आगे निकल गए है। अन्य खिलाड़ियों में विदित गुजराती नें यान नेपोमनिशि से, कल बड़ा उलटफेर करने वाले प्रज्ञानन्दा नें हंगरी के फ्रेंक बेकेर्स से और महिला वर्ग में हरिका द्रोणावल्ली नें रूस की अलेकसांद्रा गोरयाचिकना से ड्रॉ खेला।

वर्ल्ड कप में कौन, कहां करेगा बल्लेबाजी, टीम इंडिया में तय नहीं हुआ स्पॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत होने में भले ही अभी 2 महीने से भी कम का समय बचा है। लेकिन टीम इंडिया में अभी स्पॉट तय नहीं हो पाया है। जबकि विश्व कप में हिस्सा लेने वाली लगभग हर टीमें अपनी-अपनी तैयारी में जुट गई है। बता दें कि भारतीय टीम भी 2 सितंबर से एशिया कप का 50 ओवर फॉर्मेट खेलेगी। लेकिन टीम इंडिया में फिलहाल स्पॉट को लेकर काफी समस्या चल रही है। कौन कहां बल्लेबाज़ी करेगा यह तय नहीं है। हालांकि इस बीच दिग्गज बल्लेबाज शिखर धवन ने एक खिलाड़ी की स्पॉट पक्की कर दी है। शिखर धवन ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सूर्यकुमार यादव 4 नंबर पर खेले। वह काफी समय से इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहा है। इसके अलावा मैं शुभमन गिल को देखना चाहूंगा कि वो कैसा करते हैं। एक और बल्लेबाज रोहित शर्मा को भी मैं देखना चाहूंगा। जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में काफी अच्छा परफॉर्म किया था। बता दें कि 2019 के वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने 9 मैचों में 5 शतक के मदद से 648 रन बनाए थे। वहीं सूर्यकुमार यादव इंटरनेशनल करियर में अब तक 3 शतक मार चुके हैं। जिसमें सभी टी 20 मैचों में आए हैं। शिखर धवन ने आगे कहा कि हमारे पास इस बार बहुत अच्छी टीम है। इसमें कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं। सभी मैच हमारे घर पर होंगे जिसका हमें फायदा मिलेगा। हम यहां के ग्राउंड और पिच को अच्छे से जानते हैं। इसलिए यह हम सब लिए आसान होगा। गौरतलब है कि शिखर धवन लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वह पिछले 9 महीनों से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे साल 2022 में दिसंबर के महीने में खेला था। इसके बाद उन्हें टीम इंडिया में फिर कभी मौका नहीं मिला।

अदिति, दीक्षा महिला ओपन गोल्फ के तीसरे दौर में पहुंचे

लंदन। पहली बार भारत की दो महिला गोल्फरों अदिति अशोक और दीक्षा डागर ने महिला ओपन के तीसरे दौर में स्थान बनाया है। ये पहली बार बार जब दो महिला खिलाड़ियों ने किसी मेजर टूर्नामेंट में कट हासिल किया है। अदिति ने बैक नाइन में तीन अंडर और दीक्षा ने दो अंडर का स्कोर बनाकर कट हासिल किया। वहीं अदिति ने 72-69 के संयुक्त स्कोर के साथ ही नौवां स्थान हासिल किया। दीक्षा ने पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट में पहला कट हासिल किया है। वह संयुक्त 47वें स्थान पर चल रही हैं। भारतीय गोल्फ में ये दूसरी बार है जब दो खिलाड़ियों को कट हासिल हुआ है। इससे पहले साल 2012 में जीव मिल्खा सिंह और अनिर्बान लाहिड़ी ने भी ब्रिटिश ओपन में कट हासिल किया था।

अच्छी फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं लक्ष्य सेन

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है।

सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे।

सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर कहा, 'विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा।'

सेन ने कहा, 'अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।' एशियाई खेल चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेले जाएंगे और सेन का लक्ष्य इन खेलों में पदक जीतना है। उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में बड़ी प्रतियोगिता है जो चार साल में एक बार आयोजित की जाती है इसलिए यह विशेष है। मैं इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में दो बार खेला हूं। मैंने युवा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था इसलिए सभी खिलाड़ियों से मिलना और अलग खेलों को देखना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा।'

सेन ने कहा, 'इसलिए मैं एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं लेकिन अभी मेरी पहली प्राथमिकता विश्व चैंपियनशिप है और उसके बाद हम एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।' सेन विश्व रैंकिंग में अभी 11वें नंबर पर हैं और उनका लक्ष्य अगले साल तक चोटी के पांच खिलाड़ियों में शामिल होना है। उन्होंने कहा, 'मैं जल्द ही अपने को विश्व के चोटी के आठ खिलाड़ियों में देखना चाहता हूं और मेरा लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफिकेशन समाप्त होने तक शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है। लेकिन मुझे कई टूर्नामेंट में खेलना है और मेरी प्राथमिकता बड़े टूर्नामेंट में जीत दर्ज करना है। इससे रैंकिंग में अपने आप ही सुधार होगा।'

सैमसन-कुलदीप ने शानदार कैच पकड़े

लॉडरहिल। वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 क्रिकेट मैच में भारतीय टीम की जीत में संजू सैमसन और कुलदीप यादव के पकड़े कैचों की भी अहम भूमिका रही। वेस्टइंडीज की ओर से इस मैच में कायल मायर्स ने अच्छी शुरूआत की थी पर अर्शदीप की गेंद पर सैमसन ने कैच कर उन्हें पेवेलियन भेज दिया जबकि उनके जोड़ीदार ब्रेंडन किंग का विकेट कुलदीप यादव ने पकड़ा। वेस्टइंडीज का पहला विकेट दूसरे ओवर में ही गिर गया। अर्शदीप ने बल्लेबाजी कर रहे मायर्स को एक बाऊंसर फेंका। मायर्स ने इसपर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर विकेटकीपर सैमसन ने छलांग लगाकर उन्हें कैच कर लिया। वहीं इसके बाद अर्शदीप की गेंद पर किंग असहज दिखे। किंग ने कुछ गेंदों पर शॉट खेले पर वह वह लय हासिल नहीं कर पा रहे थे। इसी कड़ी में अर्शदीप की एक बाहर जाती हुई गेंद को कट मारने के चक्कर में कैच को गये। इसपर कुलदीप ने छलांग लगाते हुए कैच लेकर किंग को भी पेवेलियन भेज दिया।

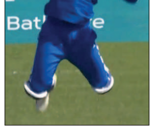

"मेरी मिट्टी, मेरा देश" अभियान को बढ़ावा देने के लिए शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाला गया

सूरत।

आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में देश भर में चल रहे "मेरी मिट्टी, मेरा देश" अभियान को बढ़ावा देने के लिए सूरत के वराछा, कतारगाम और लालदरवाजा इलाकों में एक तिरंगा बाइक रैली आयोजित की गई। जिसमें केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश ने सरथाणा जकातनाका से मोटरसाइकिल चलाकर और तिरंगा रैली में शामिल होकर बाइकर्स का उत्साहवर्धन किया। और यह रैली मजूरा विधानसभा के कारगिल चौक से शुरू होकर ब्रेड लाइनर सर्कल से बमरोली कैलाश नगर चौक तक सोशियो सर्कल पर समाप्त हुई.

इसी प्रकार उधना विधानसभा में विधायक श्री मनुभाई पटेल के नेतृत्व में बीआरसी मंदिर से पैदल यात्रा निकाली गई तथा वृक्षारोपण एवं पौधे वितरित किये गये। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए जगह-जगह तिरंगयात्राएं निकाली जा रही हैं. तिरंगा यात्रा में स्वेच्छा से शामिल होने वाले देशभक्त युवा, बच्चे, महिलाएं, छात्र अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के "मेरी मिट्टी, मेरा देश" और "हर घर तिरंगा" अभियान से देश के सभी नागरिकों में एकता और राष्ट्रवाद की भावना जागृत हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि सूरत के लोगों ने प्रधानमंत्री के राष्ट्रव्यापी अभियान के आह्वान को स्वीकार किया है। आज की तिरंगा बाइक यात्रा में रत्न कलाकार बंधु, छात्र-छात्राएं एवं भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विभिन्न रैलियों में शामिल हुए।

अमित कुमर पाण्डेय हिंदू युवा संगठन -भारत द्वारा दक्षिण गुजरात प्रभारी पद की जिम्मेदारी मिली

सूरत भूमि, सूरत । हिंदू युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक रघुवीर सिंह जाडेजा तथा कौशलेंद्र सिंह राष्ट्रीय महासचिव द्वारा हिंदू युवा संगठन दक्षिण गुजरात प्रभारी पद पर अमित कुमार पाण्डेयजी की नियुक्ति की गई है। इसकी सूचना मिलते ही अमित कुमार पाण्डेय जी को उनके शुभचिंतकों द्वारा बहुत सारी शुभकामनाएं दी गई । इस अवसर पर अमित कुमार पाण्डेय जी ने बताया कि हिंदू युवा संगठन भारत द्वारा मुझे इस पद पर चयनित करने के लिए संस्था के पदाधिकारियों को धन्यवाद करता हूं, मैं निरंतर ही इस संस्था को आगे बढ़ाने का काम करता रहूंगा। अमित कुमार पाण्डेय जी आगे संस्था के बारे में बताते हुए कहा कि हिंदू युवा संगठन भारत एक पूर्ण रूप से धार्मिक एवं हिंदू धर्म के मान बिंदुओं की रक्षा करने हेतु निर्मित संगठन है।

आज़ादी के अमृतकाल में हम सभी क्षेत्रों में विकास करेंगे:मुख्यमंत्री

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अरवल्ली ज़िले के मालपुर में आयोजित समारोह में जल संसाधन विभाग तथा सड़क एवं भवन विभाग के 338.66 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास प्रकल्पों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। विकास के ये कार्य अरवल्ली ज़िले के लोगों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को मंजूरी पत्र और साथ ही स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि यह शायद पहला अवसर है, जब किसी एक तहसील में इतने विकास कार्य आवंटित किए गए हैं। आज हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं। प्रत्येक समाज शैक्षणिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। आयुष्मान कार्ड योजना से आज ग़रीब वर्ग भी उचित उपचार प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आज़ादी के अमृतकाल में हम सभी क्षेत्रों में विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि अरवल्ली ज़िले का कोई तालाब पानी से भरे बिना न रह जाए; ऐसी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्षों से जिस नरोडा-देहेगाम-धनसुरा रोड को फ़ोर लेन करने की मांग की जा रही थी, उसके फ़ोर लेन हो जाने के बाद शामळाजी जाने वाले श्रद्धालुओं, और क्वारी उद्योग को बड़ा लाभ होगा। इस समारोह में अरवल्ली ज़िले में जल संसाधन विभाग की मालपुर तहसील के पनावाडा गाँव में वात्रक नदी के बाएँ तट से जल को उद्वहन करने तथा उस जल से मालपुर, मेघरज तथा मोडासा तहसीलों के तालाबों को भर कर सिंचाई सुविधा प्रदान करने वाले प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया गया। अनुमानित 178.37 करोड़ रुपए की लागत वाले इन प्रोजेक्ट्स से ज़िले की तीन तहसीलों के 51 गाँवों के 73 तालाबों को भरा जाएगा, जिसके माध्यम से सिंचाई जल समस्या का निवारण किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समारोह में मेश्वो जलाशय आधारित लिफ़्ट इरीगेशन योजना के माध्यम से भिलोडा व मेघरज तहसीलों के तालाबों को भर कर सिंचाई जल सुविधा प्रदान करने वाले प्रोजेक्ट का भी शिलान्यास किया।

दूसरे चरण की भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल को गुजरात कांग्रेस ने किया आमंत्रित

अहमदाबाद।

गुजरात कांग्रेस ने दूसरे चरण की भारत जोड़ो यात्रा के शुभारंभ अवसर पर राहुल गांधी को आमंत्रित किया है। बता दें कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी और सरदार पटेल की भूमि पर भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण फिर शुरू करने का फैसला किया है। पहले चरण की सफलता के आधार पर, यात्रा देश के पूर्व से पश्चिम तक के क्षेत्रों को कवर करते हुए राजनीतिक संवाद को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी है। यात्रा के महत्व पर जोर देते हुए गुजरात विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा ने कहा कि हमने राहुल गांधी को गुजरात से भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करने का निमंत्रण दिया है, जो महात्मा गांधी और सरदार पटेल की भूमि है। गुजरात को चुनने का प्रतीकात्मक महत्व इस राजनीतिक पहल को महत्व देता है। गौरतलब है कि गुजरात चुनाव 2022 के दौरान कई लोगों ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के पहले चरण को लेकर स्थानीय कांग्रेस के नेताओं से सवाल किया कि यात्रा राज्य से गुजरेगी या नहीं। अब गुजरात कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है।

अमित चावड़ा ने कहा कि राज्य की आदिवासी बेल्ट में कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति है। हालाँकि, 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान इन क्षेत्रों में आप द्वारा निभाई गई भूमिका के कारण नतीजे पार्टी के पक्ष में नहीं आए। अब भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे चरण के साथ कांग्रेस अपने पारंपरिक वोट बैंक से दोबारा जुड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण एक राजनीतिक पदयात्रा से कहीं अधिक है। इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस प्रयास का उद्देश्य देश की भलाई और देश की नींव को चुनौती देने वाली विचारधाराओं के खिलाफ खड़ा होना है। समन्वित दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए दूसरे चरण के विवरण को अंतिम रूप देने के लिए एक केंद्रीय समिति का गठन किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार यात्रा के लिए जमीनी कार्य शुरू हो चुका है। यह योजना यात्रा के दूसरे चरण को एक बार फिर यादगार और प्रभावशाली अभियान में बदलने के कांग्रेस के इरादे को प्रदर्शित करती है। बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा का पहला चरण 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुआ जो 130 दिनों के बाद कश्मीर में समाप्त हुआ। इसमें 12 राज्य और दो केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे। पहले चरण की सफलता ने भाजपा को बेचैन कर दिया है। विपक्ष के नेता अमित चावड़ा ने राजनीतिक संदर्भ पर काह कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता की बहाली और अरबपति उद्योगपति गौतम अदानी के संबंध में भाजपा के खिलाफ आरोप इनसे यात्रा को मजबूती मिलेगी।

"वसीयत-कब, क्यों और कैसे" विषय पर हुई सेमिनार

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा "वसीयत-कब, क्यों और कैसे" विषय पर सेमिनार का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे डूमस स्थित अग्रएग्जोटिक के पर्ल हॉल में किया गया ।

सेमिनार में मुख्य वक्ता एडवोकेट नजमुद्दीन मेघाणी ने बहुत ही सरल भाषा में वसीहत के महत्व को समझाया तथा वसीयत नहीं करने से किस प्रकार से उत्तराधिकारीयों को परेशानी होती है, उससे अवगत कराया । कार्यक्रम में क़रीबन तीन सौ लोग उपस्थित रहे । सभी लोगों को ट्रस्ट द्वारा वसीहत से संबंधित एक पुस्तक दी गई । इस मौक़े पर ट्रस्ट के अध्यक्ष सीए महेश मित्तल, मंत्री रतनलाल दारुका, कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, ट्रस्ट की लीगल एडवाइज़री कमिटी के सदस्यों सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

•गणपति बप्पा मोरिया की पूजा पर विशेष चर्चा•

सूरत शहर गणेश उत्सव समिति द्वारा लिंबायत नीलगिरी बजरंग दल मंदिर में कि गई विस्तृत चर्चा

सूरत भूमि, सूरत। सूरत शहर के लिंबायत विस्तार स्थित हनुमान मंदिर में गणेश उत्सव सेवा समिति के महामंत्री जोगिंदर भाई साहनी के नेतृत्व में गणेश भक्तों एवं कार्यकर्ताओं की एक विशेष सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें सूरत शहर के अलग-अलग विस्तार से गणेश भक्त एवं गणेश पूजा आयोजक कार्यक्रम में शामिल रहे। कार्यक्रम में आए हुए मेहमानों को स्वागत विधि के उपरांत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेश उत्सव को सफलतापूर्वक मनाने हेतु गणेश उत्सव समिति की तरफ से नगर जनों को हिदायत एवं निर्देश दी गई है। जोगेंद्र भाई साहनी ने बताया इस वर्ष मिट्टी के मूर्तियों का ही विसर्जन तापी नदी में हो सकेगा यथासंभव गणेश मंडल आयोजन छोटी मूर्तियों का करें जिससे विसर्जन में कोई अवरोध उत्पन्न ना हो सहजता से मूर्ति विसर्जित की जा सके तथा शांति एवं सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बंदोबस्त में पुलिस की सहायता करें।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। एकल युवा द्वारा रविवार को सुबह दस बजे से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस मौक़े पर एकल युवा के सदस्यों द्वारा लिंबायत स्थित सबरी बस्ती के घरों पर तिरंगा लहराया गया । सबरी बस्ती के 25 से अधिक बच्चों ने देशभक्ति पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी । इस मौक़े पर एकल युवा के मोहित गोयल एवं प्रवीण अग्रवाल के अलावा अनेकों युवा सदस्य उपस्थित रहें ।

"राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान" के तहत मोतियाबिंद ऑपरेशन्स में गुजरात देश में सबसे आगे

गाँधीनगर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात ने उनकी संवेदनशील पहल "राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान" के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए आवंटित लक्ष्य 1,26,300 का 504%, यानी 6,36,428 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। इतना ही नहीं, प्रति 10 लाख की आबादी पर 10,000 से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन की दर हासिल करके गुजरात इस श्रेणी में भी अग्रणी राज्य है। वहीं, वर्ष 2023-24 की बात करें तो राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत गुजरात में 1,51,700 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स का लक्ष्य रखा गया है, जिसके सापेक्ष गुजरात ने अब तक 8 1त्न से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन्स यानी 1,23,975 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स भी पूरे कर लिए हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्र सरकार ने वर्ष 2022 में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान की शुरुआत 3 साल के लक्ष्य के साथ मई 2025 तक देश में अंधेपन की दर को 0.25त्न तक कम करने के लिए की है। केंद्र सरकार की इस पहल के तहत 50 वर्ष से अधिक आयु के मोतियाबिंद के कारण अंधे या मोतियाबिंद के कारण दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों के ऑपरेशन्स नि:शुल्क किए जाते हैं।

"मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त गुजरात" अभियान के तहत गुजरात ने हासिल की यह सिद्धि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब वर्ष 2022 में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान की शुरुआत की तब उनके इस विचार को साकार रूप देने में गुजरात का योगदान सबसे अधिक हो इस उद्देश्य के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने भी वर्ष 2022 में ही मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त गुजरात अभियान की शुरुआत की। गुजरात सरकार का यह राज्य स्तरीय अभियान राज्य के 50 साल से अधिक उम्र के ऐसे नागरिक जिन्होंने मोतियाबिंद के कारण या तो अपनी दृष्टि खो दी थी, ये वे अपनी दृष्टि को खोने के समीप थे, उनके लिए एक वरदान साबित हुआ है। गुजरात सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान के लिए एक डेडिकेटेड वेबसाइट cataractblindfree.gujarat.gov.in, को भी शुरू किया है। सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा संचालित इस वेबसाइट में रोगी जनों के प्राथमिक पंजीकरण, रेफरल सेवा, ऑपरेशन सेवा और अनुवर्ती सेवा संबंधित सेवाओं की पूरी जानकारी होती है। इस अभियान के तहत राज्य के सभी 33 जिलों और 8 नगर निगम क्षेत्रों को शामिल किया गया है और कार्य योजना के अनुसार अभियान का संचालन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस अभियान के तहत अब तक राज्य में 8 लाख से अधिक सफल ऑपरेशन्स किए जा चुके हैं।

गुजरात के इस महत्वपूर्ण अभियान को राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग चार प्रमुख चरणों में संपादित करता है। इसमें पहला चरण 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का दृष्टि सर्वेक्षण है, दूसरा चरण, दृष्टि बाधित रोगियों का पंजीकरण, तीसरा, रोगियों का ऑपरेशन है और वहीं चौथा व अंतिम चरण अनुवर्ती कार्रवाई है।

गुजरात में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की दृष्टि जांच फील्ड स्टाफ के माध्यम से ई-कार्ड के द्वारा की जाती है। इसके लिए राज्य की लगभग 50 हजार एएसएचए कार्यकर्ता बहनों को प्रशिक्षित भी किया गया है।

मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता वाले सभी रोगियों को हाइड्रोफोबिक लेंस भी नि:शुल्क प्रदान किया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मोतियाबिंद के लिए हाइड्रोफोबिक लेंस आमतौर पर सबसे अच्छा विकल्प होता है। यह एक प्रकार का इंट्राओकुलर लेंस है जो पोस्टऑपरेटिव जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जैसे कि पोस्ट कैप्सूल ओपसीफिकेशन।

यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार की यह उपलब्धि न केवल आँकड़ों के नजरिए से बड़ी सिद्धि है बल्कि मानवीय संवेदनशीलता के विचार से भी यह प्रशंसनीय कार्य है।

बीएसएफ को मिली बड़ी ताकत, अब समुद्री सुरक्षा भी होगी और मजबूत

कच्छ। बीएसएफ को बड़ी ताकत मिलने जा रही है, इससे अब समुद्री सुरक्षा भी और मजबूत होगी। राजस्थान का जैसलमेर, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात का कच्छ इलाका, हमारे देश की सीमा पर चाहे जैसी भी परिस्थितियां हों, गृह मंत्री अमित शाह की हमेशा यही रणनीति रही है कि सरहदों पर सुरक्षा हमेश मजबूत रहे। इसी कड़ी में गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के कच्छ में समुद्री सुरक्षा मजबूत करने का अचूक प्लान बनाया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कच्छ जिले में संवेदनशील सर क्रीक और हरामी नाला का दौरा किया और यहां 257 करोड़ रुपये की लागत वाले 'मूरिंग प्लेस' (लंगरगाह) की नींव रखी। यह मूरिंग प्लेस 400 से अधिक जलीय वाहन और पाकिस्तान के साथ तटीय सीमा के पास सीमा सुरक्षा बल द्वारा संचालित चौकियों की फ्लोटिंग बीओपी (बॉर्डर ऑउट पोस्ट्स) की सर्विस और रखरखाव में मदद करेगा। कोटेश्वर में 60 एकड़ में फैले मूरिंग प्लेस के भूमि पूजन के बाद अमित शाह ने कहा कि एक बार यह तैयार हो जाने के बाद, बीएसएफ की समुद्री टुकड़ी द्वारा उपयोग की जाने वाली नौकाओं को सीमा क्षेत्र में आसानी से बनाए रखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आपके पास 400 से अधिक पानी के जहाज हैं और यह सुविधा उन्हें अच्छी स्थिति में रखने में मदद करेगी। इस लंगरगाह में प्रशासनिक भवन, ऑफिसर्स मेस, कैंटीन, परेड ग्राउंड, प्रशिक्षण केंद्र और सर क्रीक में बीएसएफ द्वारा संचालित वॉटरक्राफ्ट और फ्लोटिंग बीओपी के लिए एक वर्कशॉप शामिल होगी। प्रत्येक फ्लोटिंग बीओपी लगभग 30 कर्मियों और कई निगरानी उपकरण ले जा सकती है। मंत्री ने यहां सर क्रीक एरिया का दौरा किया। यहां हुई पेट्रोलिंग के दौरान जवानों से भी बात हुई, जिसमें उन्होंने बताया कि 'अक्सर मछुआरे पाकिस्तान की तरफ से भारत में दाखिल होते हैं, उनपर हमेशा हमारी नजर रहती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)